E-mail: justiceambit@gmail.com

E-mail: legalambit.ho@gmail.com

PRGI No: RJBIL/26/A2945

नागौर से प्रकाशित...

जस्टिस एम्बिट

हिन्दी एवं English मासिक

सत्य | न्याय | अधिकार

वर्षः 01 | अंकः 01 | नागौर, शुक्रवार 01 मई, 2026 | मूल्यः 10.00 रुपए | पृष्ठः 8

पढ़े.... 2

एक नए उत्थान...

पढ़े.... 3

यूपी का सबसे...

सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर सुप्रीम कोर्ट बोला...

सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती

नई दिल्ली। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती। एडवोकेट जयसिंह ने सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल रहा है। जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता है। इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टिकल 25 और 26 आए हैं। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है।

हमारे यहां धार्मिक विवाद के लिए पाकिस्तान जैसी अलग अदालत नहीं

भारत में धार्मिक विवादों के निपटारे के लिए अलग अदालतें नहीं हैं। आप जानते हैं कि अन्य देशों में ऐसा ही होता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में ऐसी अदालतें हैं। हमारे यहां शरिया अदालतें नहीं हैं, न ही धार्मिक अदालतें हैं. ऐसे में आप (सुप्रीम कोर्ट) किसी भी ऐसे व्यक्ति की अपील नकार नहीं सकते जो आपके समक्ष कोई वास्तविक विवाद लेकर आता है।

संवैधानिक मानदंड से ऊपर कुछ भी नहीं

जयसिंह ने कहा कि इस देश में संवैधानिक मानदंड से ऊपर कोई मानदंड नहीं है। धर्म के प्रश्न पर विचार करते समय इस बात पर भी ध्यान देना होगा।

कोर्ट बोला- हम धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। आखिर इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टिकल 25 और 26 आए हैं। संविधान और बाकी सब ठीक है लेकिन हमें इतिहास नहीं भूलना चाहिए। इतिहास ही वर्तमान का निर्माण करता है। आप अतीत को नजरअंदाज करके यह नहीं कह सकते कि यह एक कोरी स्लेट है। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है।

क्या हम इस मुद्दे पर लुका-छिपी क्यों खेल रहे हैं?

इंदिरा जयसिंह ने कहा कि अनुच्छेद 25(2) को अनुच्छेद 26(**b**) से ऊपर मानने के सुझाव सुनकर मुझे आश्चर्य हुआ। हालांकि, ऐसे तर्क के पीछे के कारण नहीं बताए गए। साथ ही, यदि हम इस बात से सहमत हैं कि अनुच्छेद 25(2), अनुच्छेद 25(1) को नियंत्रित करता है तो एक महिला होने के नाते मुझे मंदिर में प्रवेश करने से क्या रोकता है? हम इस मुद्दे के दायरे को लेकर लुका-छिपी क्यों खेल रहे हैं? निर्णय एक अलग मुद्दा है लेकिन मेरे लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि धर्म का अधिकार वास्तव में क्या है और उस अधिकार का सार क्या है। संवैधानिक अधिकार क्या हैं।

क्या आर्टिकल 26, आर्टिकल 14, 19 को बेअसर कर सकता है

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि देखिए देवरू मामले में यह तर्कसंगत है कि किसी धर्म की मौलिक धार्मिक पहचान तो कमजोर नहीं हो रही है। साथ ही अनुच्छेद 19, 21 या 14 के तहत अधिकारों का दावा भी किया गया है। इसीलिए कोर्ट को देखना होगा कि क्या अनुच्छेद 26 का प्रभाव ऐसा है कि यह अनुच्छेद 14, 19 या 21 को पूरी तरह से निष्प्रभावी कर देता है।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई हुई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

7 अप्रैल: केंद्र की दलील- मंदिर में महिलाओं की एंट्री का फैसला गलत
8 अप्रैल: जो भक्त नहीं, वो धार्मिक परंपरा को चुनौती कैसे दे रहा
9 अप्रैल: सुप्रीम कोर्ट बोला- मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा
15 अप्रैल: सबरीमाला मैनेजमेंट बोला- अयप्पा मंदिर रेस्टोरेंट नहीं, यहां ब्रह्मचारी देवता
17 अप्रैल: एससी बोला- संविधान सबसे ऊपर, निजी धार्मिक मान्यताओं से उठकर फैसला जरूरी
21 अप्रैल: सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं
22 अप्रैल: सुप्रीम कोर्ट बोला- हिंदू एकजुट रहें, संप्रदायों में बंटे नहीं
23 अप्रैल: इस्लाम में महिलाओं के मस्जिद आने पर रोक नहीं
28 अप्रैल: धार्मिक प्रथाओं के नाम पर सड़कें ब्लॉक नहीं कर सकते

क्या उत्तर भारत का कोई व्यक्ति एंट्री की कोशिश कर रहा है?

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि प्रवेश की मांग कौन कर रहा है? उत्तर भारत का कोई व्यक्ति दक्षिण के मंदिर में प्रवेश का दावा कैसे कर सकता है। क्या वे वाकई श्रद्धालु हैं? हमें यह भी देखना होगा।

यह केस धर्मांतरण विरोधी कानून समेत दूसरे मामलों को प्रभावित करेगा

जयसिंह ने कहा कि यह मुकदमा बेहद अहम है, जिसका उद्देश्य कुछ ऐसा हासिल करना है जो सीधे तौर पर हासिल नहीं किया जा सकता। इस मामले में आप जो भी कहेंगे, उसका असर न केवल आपके समक्ष लंबित मामलों पर पड़ेगा, बल्कि उन पर भी पड़ेगा जो आपके समक्ष नहीं हैं. धर्मांतरण विरोधी कानून इस समय लंबित है। और भी कई ऐसे मुद्दे हैं जिनका आप अनुमान नहीं लगा सकते। इसीलिए मैं सचेत कर रही हूं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- अनुसूचित जाति के कारण प्रवेश से मना नहीं किया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको अनुसूचित जाति की महिला होने के कारण मंदिर में प्रवेश से नहीं रोका गया है। बल्कि इसकी वजह आपका 10 से 50 साल की महिला होना है।

क्या अनुसूचित जाति की महिला से छुआछूत का मामला है

इंदिरा जयसिंह ने कहा कि मैं जि दो महिलाओं का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। इनमें से एक अनुसूचित जाति की महिला है। इसलिए मैं यह प्रश्न पूछना चाहती हूं कि जब आप एक अनुसूचित जाति की महिला को मंदिर में प्रवेश करने से रोकते हैं, तो क्या आप अनुच्छेद 17 का उल्लंघन कर रहे हैं या नहीं? वह हिंदू हैं और अनुसूचित जाति की महिला है। क्या छुआछूत का उन्मूलन केवल पुरुषों के लिए है या इसमें सभी व्यक्ति शामिल हैं? आज हमें बताया जा रहा है कि गैर-जातीय हिंदू सबरीमाला में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन महिलाएं नहीं। सभी पुरुष बिना किसी जातिगत प्रतिबंध के प्रवेश कर सकते हैं। क्यों? अनुच्छेद 17 के कारण। इसीलिए वे प्रवेश कर सकते हैं।

एससी बोला-रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

केंद्र से कहा- अपने कानून में बदलाव करें, अभी 24 हफ्ते तक गर्भपात का नियम

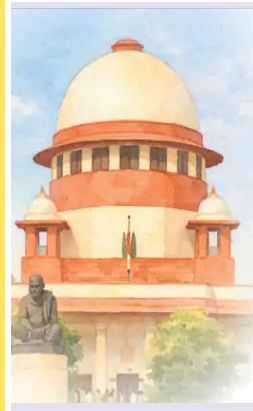

> बच्ची ने रेप के बाद जो दर्द झेला, उसकी भरपाई किसी चीज से नहीं हो सकती।
> **सुप्रीम कोर्ट**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 15 साल की रेप विक्टिम को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने केंद्र से कहा कि ऐसे मामलों में अबॉर्शन के लिए टाइम लिमिट से जुड़े कानून में बदलाव करना चाहिए।। सीजेआई ने कहा, 'कानून ऐसा होना चाहिए, जो समय के साथ बदलता रहे और मौजूदा हालात के अनुसार चले। नाबालिग को जबरन मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में फैसला पीड़ति का ही होना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को करीब सात महीने प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को अबॉर्शन की इजाजत दी थी। इसके खिलाफ AIIMS ने याचिका लगाई थी। क्योंकि अभी भारत का कानून रेप मामलों में 24 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी में ही अबॉर्शन की इजाजत देता है।

AIIMS ने कहा था- नाबालिग शायद फिर कभी मां न बन पाए

15 साल की लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के कारण प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट (**MPT Act**) में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी। लड़की ने भी कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती। एम्स ने कोर्ट से कहा था कि 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में भ्रूण एक जीव का आकार ले चुका होता है और इस स्टेज पर अबॉर्शन सफल नहीं हो सकता। डॉक्टरों ने यह भी कहा कि अबॉर्शन से नाबालिग मां को भी खतरा है। वह भविष्य में शायद फिर कभी मां नहीं बन पाएगी। एम्स की दलील पर कोर्ट ने कहा- आपका सारा ध्यान सिर्फ बच्चे (भ्रूण) पर है, उस मां पर नहीं जिसने इतना दर्द सहा है। यह चाइल्ड रेप का मामला है। पीड़ित को जिंदगीभर का दर्द और ट्रॉमा झेलना पड़ेगा। अब यह भ्रूण बनाम नाबालिग बच्ची की लड़ाई है।

वकील ने बताया था- नाबालिग प्रेग्नेंसी से तनाव में है

24 अप्रैल को सुनवाई में विक्टिम के वकील ने बताया था कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं। वह आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए गोद दिलाने की

सुप्रीम कोर्ट में हेट स्पीच से जुडी याचिकाएं खारिज

बेंच बोली- हम संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि अदालत संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। अदालत केवल जरूरत की ओर ध्यान दिला सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि नीति बनाना और कानून तैयार करना विधायिका के दायरे में आता है। अदालत इसमें दखल नहीं दे सकती। कोर्ट ने यह फैसला उन याचिकाओं पर दिया, जिनमें केंद्र सरकार को हेट स्पीच और अफवाह फैलाने से जुड़े कानूनों की समीक्षा कर नया कानून बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

कोर्ट बोला- हेट स्पीच को लेकर कानून में कोई खालीपन नहीं

बेंच ने कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचा हेट स्पीच जैसे मामलों से निपटने के लिए सक्षम है। समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके लागू होने में देरी या असमानता की है। कोर्ट के मुताबिक कई मामलों में कार्रवाई समय पर नहीं होती या एक जैसी नहीं होती। कोर्ट ने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि इस क्षेत्र में कोई कानूनी खालीपन है।

सत्य, स्वतंत्रता और प्रगति की ओर एक कदम...

महावीर प्रसाद पारीक
चीफ एडीटर

आज जब हम **जस्टिस एम्बिट** का पहला अंक आपके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं, तो हमें गर्व और जिम्मेदारी का एक अनोखा मिश्रण महसूस हो रहा है। यह समाचार पत्र शोषित, पीड़ित एवं आमजनो की आवाज़ बनने का एक प्रयास है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित है। **जस्टिस एम्बिट** का उद्देश्य है कि हम लोगों को सटीक, संतुलित और समयानुसार समाचार प्रदान करें। हम न केवल स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचारों को भी आपके सामने लाएंगे। हमारा मानना है कि एक सशक्त समाज का निर्माण तभी संभव है जब उसके नागरिक सही और विश्वसनीय जानकारी से लैस हों।

सत्य की खोज

समाचार पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सत्य को खोजना और उसे बिना किसी भय या पक्षपात के आपके सामने प्रस्तुत करना है। आज के समय में, जहाँ जानकारी का समुद्र हर दिन बढ़ता जा रहा है, हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हम आपको शुद्ध, सटीक और संतुलित जानकारी प्रदान करें। हमारा मानना है कि एक सशक्त समाज का निर्माण तभी संभव है जब उसके नागरिक सही और विश्वसनीय जानकारी से लैस हों।

स्वतंत्रता और जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रेस किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होती है। हमारा उद्देश्य है कि हम बिना किसी दबाव या प्रभाव के अपनी बात कह सकें और आपको भी अपनी आवाज़ उठाने का मंच प्रदान करें। यह स्वतंत्रता हमारे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी भी लाती है – वह जिम्मेदारी जो हमें नैतिकता, न्याय और समाज के प्रति संवेदनशीलता के साथ काम करने की याद दिलाती है।

प्रगति के पथ पर

समाज की प्रगति में मीडिया की भूमिका अग्रणी होती है। हम न केवल समाचारों को प्रस्तुत करेंगे, बल्कि उन मुद्दों पर भी प्रकाश डालेंगे जो समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, विज्ञान और तकनीक जैसे विषयों पर हम आपके साथ विस्तृत जानकारी और विश्लेषण साझा करेंगे। साथ ही, हम स्थानीय मुद्दों और कहानियों को भी प्राथमिकता देंगे, जो अक्सर बड़े मीडिया की नजर से दूर रह जाते हैं।

हमारा वादा

1. **सत्यनिष्ठा** – हम हर खबर को सच्चाई और निष्पक्षता के साथ प्रस्तुत करेंगे।
2. **स्वतंत्रता** – हम किसी भी दबाव या प्रभाव से मुक्त होकर अपनी बात कहेंगे।
3. **प्रासंगिकता** – हम आपके समय और रुचि के अनुसार समाचार और जानकारी देंगे।
4. **संवाद** – हम आपकी प्रतिक्रियाओं और सुझावों को महत्व देंगे और आपके साथ संवाद बनाए रखेंगे।

समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी

हमारा समाचार पत्र न केवल समाचारों का स्रोत होगा, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक माध्यम भी होगा। हम उन मुद्दों पर विशेष ध्यान देंगे जो समाज के वंचित वर्गों को प्रभावित करते हैं और उनके अधिकारों की आवाज़ उठाएंगे।

आपका समर्थन और सहयोग

एक नए वर्ष की शुरुआत में, हम आपके साथ एक नई यात्रा पर निकल रहे हैं। यह यात्रा आपकी भागीदारी और समर्थन के बिना अधूरी है। हमारा विश्वास है कि आप हमारे साथ इस सफर में जुड़ेंगे, अपने विचार साझा करेंगे और मिलकर एक बेहतर, अधिक जागरूक और प्रगतिशील समाज का निर्माण करेंगे।

जस्टिस एम्बिट को सफल बनाने के लिए हमें आपके समर्थन और सहयोग की आवश्यकता है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमें अपने विचार, सुझाव और समाचार भेजें। यह समाचार पत्र आपके लिए है, और हम इसे आपके अनुसार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज के इस नए युग में, जब जानकारी का महत्व बढ़ता जा रहा है, **जस्टिस एम्बिट** आपके लिए एक विश्वसनीय साथी बनने का प्रयास करेगा। हमारा लक्ष्य है कि हम न केवल समाचार दें, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी मदद करें।

फेक न्यूज़ से हमें लड़ना होगा

फेक न्यूज़ एक गंभीर समस्या है, और हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा। हमें सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली खबरों की जांच-पड़ताल करनी चाहिए, और उन्हें बिना जांचे नहीं मानना चाहिए। हमें फेक न्यूज़ की रिपोर्टिंग करनी चाहिए, और उन्हें सोशल मीडिया पर फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। हमें समाज को फेक न्यूज़ के प्रभावों के बारे में जागरूक करना चाहिए, और उन्हें इसके खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

फेक न्यूज़, यह एक ऐसा शब्द है जो आजकल हर जगह सुनने को मिलता है। यह एक ऐसा शब्द है जो हमारे समाज को प्रभावित कर रहा है, और हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा।

फेक न्यूज़ क्या है?

फेक न्यूज़ वह खबर है जो झूठी या भ्रामक होती है, और जिसका उद्देश्य लोगों को गुमराह करना होता है। यह खबरें अक्सर सोशल मीडिया पर फैलाई जाती हैं, और लोगों को बिना जांच-पड़ताल के इसे सच मान लेते हैं।

फेक न्यूज़ के प्रभाव

फेक न्यूज़ के प्रभाव बहुत गंभीर हो सकते हैं। यह लोगों को गुमराह कर सकता है, और उन्हें गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह समाज में अफवाह और तनाव को बढ़ावा दे सकता है, और लोगों के बीच में दूरी पैदा कर सकता है।

फेक न्यूज़ के कारण

फेक न्यूज़ के कई कारण हो सकते हैं। कुछ लोग इसे पैसे कमाने के लिए फैलाते हैं, जबकि कुछ लोग इसे अपने राजनीतिक या सामाजिक उद्देश्यों के लिए फैलाते हैं। कुछ लोग इसे सिर्फ मनोरंजन के लिए फैलाते हैं, बिना यह सोचे कि इसका क्या प्रभाव होगा।

फेक न्यूज़ से लड़ने के तरीके

फेक न्यूज़ से लड़ने के कई तरीके हैं। हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि फेक न्यूज़ क्या है, और इसके प्रभाव क्या हो सकते हैं। हमें सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली खबरों की जांच-पड़ताल करनी चाहिए, और उन्हें बिना जांचे नहीं मानना चाहिए।

1. सोशल मीडिया पर सावधानी

हमें सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली खबरों की जांच-पड़ताल करनी चाहिए, और उन्हें बिना जांचे नहीं मानना चाहिए।

2. खबरों की जांच-पड़ताल

हमें खबरों की जांच-पड़ताल करनी चाहिए, और उन्हें विश्वसनीय स्रोतों से सत्यापित करना चाहिए।

3. फेक न्यूज़ की रिपोर्टिंग

हमें फेक न्यूज़ की रिपोर्टिंग करनी चाहिए, और उन्हें सोशल मीडिया पर फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

4. समाज को जागरूक करना

हमें समाज को फेक न्यूज़ के प्रभावों के बारे में जागरूक करना चाहिए, और उन्हें इसके खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

एक नए उत्थान की दिशा में पत्रकारिता

नया साल, नई आशाएं, नए सपने, और नए संकल्प। हर साल की तरह, इस साल भी हम नए उत्साह और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। लेकिन क्या हम जानते हैं कि पत्रकारिता इस नए उत्थान में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है?

पत्रकारिता: समाज का आईना

पत्रकारिता न केवल खबरें देने का काम करती है, बल्कि वह समाज के हर पहलू को उजागर करने का भी काम करती है। वह समाज के दबे-कुशे मुद्दों को उठाती है, नेताओं की जिम्मेदारी को याद दिलाती है, और समाज को जागरूक बनाने का काम करती है।

नया साल, नए चुनौतियाँ

इस नए साल में पत्रकारिता के सामने कई चुनौतियाँ हैं। डिजिटल मीडिया के उदय ने पत्रकारिता को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है, लेकिन साथ ही साथ कई चुनौतियाँ भी पैदा की हैं। फेक न्यूज़, सोशल मीडिया का दुरुपयोग, और पत्रकारों पर हमले जैसी समस्याएं आज भी मौजूद हैं।

पत्रकारिता का नया उत्थान

लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद, पत्रकारिता का नया उत्थान संभव है। हमें बस कुछ नए तरीकों और दृष्टिकोणों को अपनाना होगा।

पत्रकारिता के नए आयाम

पत्रकारिता के नए आयामों में से एक है डेटा जर्नलिज्म। डेटा जर्नलिज्म के माध्यम से हम खबरों को एक नए तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं। हमें डेटा का उपयोग करके खबरों को अधिक आकर्षक और समझने योग्य बनाना होगा।

पत्रकारिता और शिक्षा

पत्रकारिता और शिक्षा का बहुत गहरा संबंध है। पत्रकारिता के माध्यम से हम शिक्षा को बढ़ावा दे सकते हैं। हमें शिक्षा के महत्व को समझाना होगा और लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा।

1. डिजिटल मीडिया का सही उपयोग

डिजिटल मीडिया का सही उपयोग करके हम पत्रकारिता को एक नए स्तर पर पहुंचा सकते हैं। हमें सोशल मीडिया का उपयोग करके अपनी खबरों को अधिक लोगों तक पहुंचाना होगा।

2. फेक न्यूज़ से लड़ना

फेक न्यूज़ के खिलाफ लड़ना होगा। हमें खबरों की जांच-पड़ताल करके ही उन्हें प्रकाशित करना होगा।

3. पत्रकारों की सुरक्षा

पत्रकारों की सुरक्षा के लिए हमें काम करना होगा। उन्हें अपने काम को सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से करने के लिए हमें एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना होगा।

4. समाज के मुद्दों पर ध्यान

हमें समाज के मुद्दों पर ध्यान देना होगा। हमें उन मुद्दों को उठाना होगा जो समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पत्रकारिता और समाज सेवा

पत्रकारिता और समाज सेवा का भी बहुत गहरा संबंध है। पत्रकारिता के माध्यम से हम समाज सेवा को बढ़ावा दे सकते हैं। हमें समाज के दबे-कुशे मुद्दों को उठाना होगा और समाज को जागरूक बनाना होगा।

पत्रकारिता और प्रौद्योगिकी

पत्रकारिता और प्रौद्योगिकी का भी बहुत गहरा संबंध है। पत्रकारिता के माध्यम से हम प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दे सकते हैं। हमें प्रौद्योगिकी के महत्व को समझाना होगा और लोगों को प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूक करना होगा।

पत्रकारिता और पर्यावरण

पत्रकारिता और पर्यावरण का भी बहुत गहरा संबंध है। पत्रकारिता के माध्यम से हम पर्यावरण को बढ़ावा दे सकते हैं। हमें पर्यावरण के महत्व को समझाना होगा और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना होगा।

एक पत्रकार की सामाजिक जिम्मेदारी क्या है?

पत्रकारिता एक महत्वपूर्ण पेशा है, जिसमें समाज को सही और सटीक जानकारी प्रदान करने की जिम्मेदारी होती है। एक पत्रकार की सामाजिक जिम्मेदारी है कि वह समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की आवाज़ को सुनें और उन्हें मंच प्रदान करें।

पत्रकार की भूमिका

एक पत्रकार की भूमिका है कि वह समाज में हो रही घटनाओं को कवर करें और उन्हें जनता के सामने प्रस्तुत करें। वह समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की समस्याओं को उठाएं और उन्हें हल करने के लिए काम करें।

ssss पत्रकार की जिम्मेदारी

एक पत्रकार की जिम्मेदारी है कि वह

1. सत्य और निष्पक्षता

पत्रकार को सत्य और निष्पक्षता का पालन करना चाहिए। वह किसी भी प्रकार के दबाव या प्रभाव से मुक्त होकर काम करें।

2. सामाजिक जिम्मेदारी

पत्रकार को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए। वह समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की आवाज़ को सुनें और उन्हें मंच प्रदान करें।

3. नैतिकता

पत्रकार को नैतिकता का पालन करना चाहिए। वह किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्य से दूर रहें।

4. सटीकता

पत्रकार को सटीकता का पालन करना चाहिए। वह किसी भी प्रकार की गलत जानकारी को प्रस्तुत न करें।

पत्रकार की चुनौतियां

एक पत्रकार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि

1. दबाव

पत्रकार को विभिन्न प्रकार के दबाव का सामना करना पड़ता है, जैसे कि राजनीतिक दबाव, आर्थिक दबाव आदि।

2. सुरक्षा

पत्रकार को अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना पड़ता है, खासकर जब वह खतरनाक क्षेत्रों में काम कर रहे हों।

3. संसाधनों की कमी

पत्रकार को अक्सर संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है, जैसे कि वित्तीय संसाधन, तकनीकी संसाधन आदि।

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, पत्रकार को

1. स्वतंत्र रहना

पत्रकार को स्वतंत्र रहना चाहिए और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए।

2. संगठन बनाना

पत्रकार को संगठन बनाना चाहिए और अपने अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

3. संसाधनों का उपयोग

पत्रकार को उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करना चाहिए और नए संसाधनों की तलाश करनी चाहिए।

किंग चार्ल्स का तंज-हम न होते तो अमेरिकी फ्रेंच बोलते

ट्रम्प ने कहा था- विश्व युद्ध में मदद न करते तो यूरोप जर्मन बोलता

वॉशिंगटन। किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर ब्रिटिश न होते तो आज अमेरिकी फ्रेंच बोल रहे होते। चार्ल्स ने कहा- आपने हाल ही में कहा था कि अगर अमेरिका नहीं होता तो यूरोपीय देश जर्मन बोल रहे होते। तो मैं यह कहने की हिम्मत करता हूं कि अगर हम (ब्रिटिश) नहीं होते तो आप लोग फ्रेंच बोल रहे होते। करीब 250 साल पहले जब अमेरिका आजाद नहीं था, तब ब्रिटेन और फ्रांस दोनों वहां अपनी-अपनी पकड़ बनाना चाहते थे। दोनों देशों के बीच इस बात को लेकर लड़ाई हुई कि उत्तरी अमेरिका पर किसका कब्जा रहेगा। आखिर में इस लड़ाई में ब्रिटेन जीत गया। किंग चार्ल्स का इशारा इसी तरफ था। इससे पहले जनवरी में दावोस समिट के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों और उनके सहयोग को लेकर एक बयान दिया था। ट्रम्प ने कहा था कि दूसरे विश्व युद्ध में अगर अमेरिका ने बड़ी भूमिका न निभाई होती तो आज यूरोप का नक्शा और वहां की भाषा दोनों अलग होते। उनके मुताबिक उस समय जर्मनी और जापान काफी ताकतवर थे। अगर उन्हें रोका नहीं जाता तो वे कई देशों पर कब्जा कर सकते थे। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिका मदद के लिए नहीं आता तो आज आप लोग जर्मन और थोड़ा जापानी बोल रहे होते।' इस बयान के जरिए ट्रम्प यह बताना चाहते थे कि अमेरिका ने युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी और यूरोप की आजादी बनाए रखने में बड़ा योगदान दिया था। साथ ही, वे यह भी संकेत दे रहे थे कि आज भी यूरोप अपनी सुरक्षा के लिए काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर है। किंग चार्ल्स ने व्हाइट हाउस में हुए बदलावों पर भी ट्रम्प पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ईस्ट विंग में बहुत 'रीएडजस्टमेंट' हो रहे हैं। ट्रम्प ने 400 मिलियन डॉलर का बड़ा बॉलरूम बनाने के लिए पुराने हिस्से को गिरा दिया है। इस पर चार्ल्स ने हंसते हुए कहा, हमने भी 1814 में व्हाइट हाउस के रियल एस्टेट डेवलपमेंट की अपनी कोशिश की थी। असल में वह 1814 की घटना याद दिला रहे थे, जब ब्रिटिश सैनिकों ने व्हाइट हाउस को आग लगा दी थी। किंग चार्ल्स इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि आज का डिनर 'बोस्टन टी पार्टी' से काफी बेहतर है। बोस्टन टी पार्टी 16 दिसंबर 1773 को हुई थी। उस समय अमेरिका, ब्रिटेन का उपनिवेश था।

दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई में अश्लील वीडियो चला

स्क्रीन पर दिखा हैक का मैसेज; गाने भी बजे, चीफ जस्टिस ने सुनवाई बंद की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील वीडियो चल गया। उस वक्त चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस खरिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। यह मामला दोपहर 12:56 बजे का है। यह साफ नहीं हुआ है कि वारदात के वक्त बेंच किस मामले में सुनवाई कर रही थी। जैसे ही पोर्न वीडियो चला, फौरान सुनवाई रोक दी गई। कुछ मिनट बाद सुनवाई दोबारा शुरू हुई, फिर पोर्न वीडियो चलने लगा। मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की IFSO यूनिट को दी गई है।

क्षितिजीत का दावा, मेरा लॉगिन हैक किया गया

वर्चुअल सुनवाई के दौरान कई लोग जुड़े हुए थे। इनमें एक क्षितिजीत सिंह थे। शुरुआती पूछताछ में क्षितिजीत ने दावा किया कि उसका अकाउंट अमेरिका से हैक किया गया था। उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि सुनवाई के दौरान वह अश्लील वीडियो कैसे चला। बुधवार को सुनवाई के दौरान वीडियो चलने के बाद आपका सिस्टम हैक हो गया है', का मैसेज भी स्क्रीन पर दिखाई दिया। दो बार पोर्न वीडियो चला और तीसरी बार म्यूजिक वीडियो चला। कोर्ट में 100 से ज्यादा जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी। ये मामला उसी दौरान समाने आया। मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर रजिस्ट्रार जनरल को आवश्यक निर्देश दिए गए। अदालत की कार्यवाही रिकॉर्ड करना नियमों के विरुद्ध है। यदि किसी ने रिकॉर्डिंग की है तो कार्रवाई करेंगे।

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने चीफ जस्टिस से कहा- पहले भी कई अदालतों की वर्चुअल कार्यवाही के दौरान ऐसी चिंताजनक घटनाएं हुई हैं। इससे कोर्ट की गरिमा पर आसर पड़ता है।

कोर्ट में अश्लील वीडियो क्लिप की पिछली घटनाएं

2025- नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (मुंबई) में दिसंबर 2024 में डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम हैक होने के कारण अदालत के स्क्रीन पर अश्लील वीडियो क्लिप चल गए।

2025- नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (कोलकाता) में जुलाई 2025 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुनवाई के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने जुड़कर अश्लील कंटेंट स्क्रीन-शेयर कर दिया।

2024- गुजरात हाई कोर्ट में अगस्त 2025 में वीडियो सुनवाई के दौरान एक व्यक्ति के टॉयलेट से जुड़ने जैसी अभद्र घटनाओं के बाद कोर्ट ने कड़े नियम लागू किए।

2021- इलाहाबाद हाई कोर्ट में साल 2021 में एक वकील द्वारा स्कूटर चलाते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बहस करने को कोर्ट ने अनुशासनहीनता माना।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- बडे घर की माताएं भी पी रही

कांग्रेस ने कहा- आपकी भाषा मर्यादा के खिलाफ; अब ऐसा किया तो सडकों पर उतरेंगे

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का एक और बयान विवादों में आ गया है। नागपुर में कथा के दौरान उन्होंने कहा, आजकल पुरुषों की तो छोडो, हमने सुना कि बड़े घरानों की माताएं भी पी रही हैं। राम-राम, राम-रामज्बजरंग बली बचाएं। इसका वीडियो भी सामने आया है। शास्त्री के इस बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। छतरपुर में कांग्रेस नेता दीप्ति पांडे ने कहा- व्यासपीठ से इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। पूरा देश उन्हें सुनता है, ऐसे में माताओं के लिए इस तरह के शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

शास्त्री बोले- बच्चों को शराब पिलाकर सुला देंगी

धीरेंद्र शास्त्री ने 28 अप्रैल को व्यासपीठ से कहा था- जब कई माताएं ही विचित्र संस्कारों

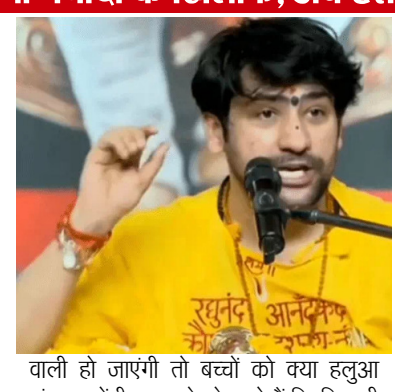

वाली हो जाएंगी तो बच्चों को क्या हलुआ संस्कार देंगीड हम तो सोच रहे हैं कि जिनकी घरवालियां पीती हैं, उनके कल के दिन बच्चे होंगे...वो बच्चे रोएंगे तो उन्हें भी शराब पिलाकर सुला देंगी। शास्त्री ने आगे कहा- पहले मर्यादा होती थी, संस्कार होते थे। लोग कुछ गलत करने से डरते थे लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा- मां ही बच्चे की प्रथम गुरु

इस बयान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सदस्य दीप्ति पांडे ने कहा- सृष्टि की सृजनकर्ता एक नारी ही होती है। वो मां है, जो बच्चे की प्रथम गुरु है। मातृ शक्ति के लिए इस तरह की भाषा का उपयोग करने का मैं विरोध करती हूं। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा- धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी, मैं आपसे निवेदन करती हूं कि मातृ शक्ति के खिलाफ इस तरह की भाषा का उपयोग करना बंद कर दें। आपने महिलाओं के खिलाफ अब कोई अनर्गल टिप्पणी की तो हमें आपके खिलाफ सडकों पर उतरना पडेगा।

सुवेंदु को टीएमसी कार्यकर्ताओं ने घेरा

बीजेपी कैंडिडेट की कार तोड़ी-उपद्रवी को लटकाकर ले गए सुरक्षाबल

कोलताता। पश्चिम बंगाल में दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान कई विधानसभा सीटों पर हिंसा और मारपीट की घटनाएं सामने आईं। नादिया जिले के छपरा में भाजपा एजेंट ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। वहीं, शांतिपुर में भाजपा कैंप पर भी हमला हुआ। बीजपुर में निर्दलीय प्रत्याशी और काउंसलर के बीच मारपीट हो गई। श्यामपुकुर में भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ प्रदर्शन किया। बीजेपी उम्मीदवार रत्ना देबनाथ ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है। नादिया जिले की छपरा विधानसभा सीट के हतरा पंचायत में बीजेपी पोलिंग एजेंट मुशर्रफ मीर ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर सुबह करीब 5.30 बजे पर रॉड और बंदूकों से हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उन्हें बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उनका इलाज चल रहा है और सिर पर छह टांके लगे हैं। बीजपुर में टीएमसी पार्षद और निर्दलीय उम्मीदवार के बीच मारपीट हो गई। कांचरापाड़ा नगर पालिका के पार्षद कल्याण कर पोलिंग बूथ के 100 मीटर के दायरे में खड़े थे बीजेपी और निर्दलीय उम्मीदवार से उनकी बहस शुरू हो गई। इसके बाद निर्दलीय प्रत्याशी और टीएमसी पार्षद के बीच मारपीट हो गई।

यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे जनता के लिए खुला

पीएम मोदी ने सुबह उद्घाटन किया; बाइक सवारों को भी देना होगा टोल टैक्स

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूपी के हरदोई में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। इसके बाद एक्सप्रेस-वे जनता के लिए खोल दिया गया। इस पर चलने के लिए बाइक सवारों को भी टोल टैक्स देना होगा। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने ऐलान किया कि एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। पीएम ने सपा और कांग्रेस पर कहा- सपा विकास और नारी विरोधी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने इनका नारी विरोधी चेहरा देखा है। इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन के खिलाफ वोट किया। पीएम ने पश्चिम बंगाल में चल रही दूसरे चरण की वोटिंग का जिक्र किया। कहा- जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। ऐसी वोटिंग दशकों में नहीं देखी। इससे पहले पीएम ने एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया। सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे पर पैदल भी चले। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इससे मेरठ से प्रयागराज की दूरी सिर्फ 6 घंटे में पूरी होगी। अब तक 11-12 घंटे लगते थे। एक्सप्रेस-वे करीब 37,350 करोड़ रुपए की लागत से 5 साल में

बनकर तैयार हुआ है। इस हिसाब से 1 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की औसत लागत करीब 62 करोड़ 87 लाख रुपए है। मोदी ने ही 18 दिसंबर, 2021 को शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था। इससे पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे था, जिसकी लंबाई 340 किमी है।

पीएम मोदी की 4 बड़ी बातें पढ़िए

मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है। इसमें विकास का हमारा विजन भी झलकता है। हमारी विरासत के भी दर्शन होते हैं। डबल इंजन सरकार में शिलान्यास भी होता है और उद्घाटन भी होता है। यह सिर्फ हाई-स्पीड सड़क नहीं है, बल्कि नए सपनों का गेटवे है। पिछली सरकारों ने अपनी करतूतों के कारण अपराध और जंगलराज को यूपी की पहचान बना दिया। यूपी के माफियाओं पर फिल्में बनती थीं।

आज यूपी की कानून व्यवस्था का देशभर में उदाहरण दिया जाता है। संसाधनों का बंदरबांट करने वाले जिन सपाइयों के हाथ से सत्ता गई, उन्हें यूपी की यह प्रगति पसंद नहीं आ रही है। वे यूपी को पुराने दौर में धकेलना चाहते हैं। बंगाल में पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रही है। लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। पिछले 6-7 दशक में जो नहीं हुआ, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, लोग भयमुक्त होकर वोट दे रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि इन पांच राज्यों के चुनाव में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है। एनडीए सरकार नारी शक्ति वंदन संशोधन लेकर आई थी। अगर यह संशोधन पास हो जाता तो 2029 के चुनाव से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता, लेकिन सपा ने इसके खिलाफ वोट किया। सपा कभी भी परिवारवाद और जातिवाद से ऊपर नहीं उठ सकती। ये लोग हमेशा विकास विरोधी राजनीति करेंगे। यूपी के लोगों को सपा से सावधान रहना है।

एक्सप्रेस-वे 12 जिलों से गुजरेगा, रात में फाइटर जेट्स उतर सकेंगे

12 जिलों से होकर गुजरने वाला यह एक्सप्रेस-वे कई मायनों में खास है। यहां पब्लिक कन्वीनियंस सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें ठहरने की सुविधा, इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर और फूड कोर्ट शामिल हैं। सड़क पर रंबल स्ट्रिप (उभरी हुई पट्टियां) बनाई गई हैं। इन पर वाहन के टायर आते ही ड्राइवर को वाइब्रेशन महसूस होता है, जिससे हादसों की आशंका कम होगी। एक्सप्रेस-वे पर एयरफोर्स के फाइटर जेट्स की लैंडिंग के लिए शाहजहांपुर के जलालाबाद के पास 3.5 किमी लंबी एयरस्ट्रिप बनाई गई है। यह देश की पहली नाइट लैंडिंग एयरस्ट्रिप है। हर 75 किमी पर पेट्रोल पंप बनाए गए हैं, जिन्हें भारत पेट्रोलियम खुद संचालित कर रहा है।

धर्म- समाज

निर्मल मन फाउण्डेशन द्वारा गौ माता के लिए विशाल भंडारे का आयोजन

700 किलो तरबूज एवं सीताफल गौ माता को खिलाया गया

रोशन झा@जस्टिस एम्बिट

जयपुर। निर्मल मन फाउण्डेशन द्वारा शनिवार को गौ माता के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौ माता के लिए 700 किलो तरबूज एवं सीताफल खिलाया गया। यह आयोजन पिंजरा पोल गौशाला सांगानेर में आयोजित किया गया। भंडारे में मूंधरा फैमिली, राकेश सैनी, जितेन्द्र सिंह शेखावत, जितेन्द्र चौधरी, रमेश चन्द्र सारस्वत, धर्म सिंह मीणा(राजगढ़), पंकज माहेश्वरी (जयपुर) , मनोज सैनी (अलवर), लोकपाल सैनी (अलवर), विवेक मीणा (गंगापुर सिटी), हाकमदीन (अलवर), एडवोकेट एडी खान (अलवर) आदि भामाशाहों के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। भंडारे के कार्यक्रम में संस्थान के कार्यकर्ता रोशन झा, अभिरल राजपूत, संजय अग्रवाल एवं अन्य सहयोगी जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष कैलाश ओझा ने कहा कि गौ माता के लिए इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहेंगे। संस्था के उपाध्यक्ष राहुल सैनी ने कार्यक्रम की समस्त व्यवस्था को संयोजित किया, एवं सभी भामाशाहों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कर्तव्यनिष्ठ हवलदार विक्रम सिंह तंवर का निधन, राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

जयपुर। राजस्थान पुलिस के एक अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ जवान हवलदार विक्रम सिंह तंवर का हृदय गति रुकने से असामयिक निधन हो गया। वे वर्तमान में जयपुर स्थित सत्र न्यायालय में सुरक्षा प्रभारी के महत्वपूर्ण पद पर तैनात थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पुलिस महकमे और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सहकर्मियों और परिचितों ने उन्हें एक ईमानदार, जिम्मेदार और सेवा भाव से ओत-प्रोत जवान के रूप में याद किया। दिवंगत हवलदार विक्रम सिंह तंवर का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव कायमपुरा वास (बनेठी), कोटपुतली-बहरोड़ में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों की उपस्थिति रही। राजस्थान पुलिस की टुकड़ी ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर अंतिम सलामी दी। इस दौरान माहौल बेहद भावुक हो गया और हर किसी की आंखें नम नजर आईं। विक्रम सिंह तंवर अपने पीछे दो बच्चों और एक भाई सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीणों ने भी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। अंतिम संस्कार में कई गणमान्य लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। पनियाला थाना प्रभारी (एसएचओ), बनेठी सरपंच देवी सिंह तंवर, पूर्व सरपंच सुरेश सिंह, कायमपुरा वास सरपंच अर्जुन लाल, हरिपाल सिंह, सूबेदार राजकुमार सिंह, सूबेदार महेंद्र सिंह और हवलदार प्रताप सिंह सहित अनेक पुलिसकर्मी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। ग्रामीणों और सहकर्मियों ने बताया कि विक्रम सिंह तंवर अपने कर्तव्यों के प्रति बेहद सजग और समर्पित थे। उन्होंने अपने सेवाकाल में हमेशा ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम किया। उनके अचानक निधन से पुलिस विभाग को अपूरणीय क्षति हुई है।

शिमला में भारी ओलावृष्टि, 3 इंच मोटी परत बिछी

सेब तबाह; 3 जिलों को चेतावनी, तापमान में गिरावट, अगले 6 दिन बारिश के आसार

शिमला। हिमाचल में शिमला जिला के कई क्षेत्रों में आज (30 अप्रैल) भारी ओलावृष्टि व तेज बारिश हो रही है। दोपहर बाद एक से दो बजे के बीच कुफरी व ठियोग के आसपास के क्षेत्रों में जमकर ओले गिरे। पौने तीन बजे शिमला में भी तेज बारिश के साथ हल्की ओलावृष्टि हुई। मौसम में बदलाव के बाद शिमला में दिन में ही अंधेरा सा छा गया। कुफरी में ओलावृष्टि की जमीन पर 3 इंच मोटी परत बिछ गई। इससे सड़कों पर फिसलन बढ़ गई। ओला गिरने से सेब के साथ-साथ फूलगोभी और मटर की फसल तबाह हो गई है। बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में भारी गिरावट आई है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे तक शिमला, सोलन और सिरमौर जिला में तेज बारिश के साथ-साथ तूफान और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिला के लिए यलो अलर्ट की चेतावनी दी गई है। शिमला के साथ-साथ मनाली और मंडी में भी मौसम खराब बना हुआ है, जबकि हमीरपुर के सुजानपुर में धूप खिली हुई है। मौसम विभाग के अनुसार- राज्य में अगले 6 दिन भी रुक-रुक कर बारिश जारी रहेगी। इस दौरान ओलावृष्टि के साथ साथ 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तूफान चलने का पूर्वानुमान है। खासकर तीन और चार मई को पूरे राज्य में तेज बारिश होने के आसार हैं। तीन मई को किन्नौर और लाहौल स्पीति को छोड़कर अन्य सभी जिलों में तूफान व तेज बारिश का येलो अलर्ट दिया गया है।

अप्रैल में सामान्य से ज्यादा बारिश

प्रदेश में बीते अप्रैल माह के दौरान भी सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। IMD के मुताबिक- एक से 29 अप्रैल तक बिलासपुर जिला में सामान्य की तुलना में 198 फीसदी अधिक बारिश हुई। सोलन में 171 फीसदी, शिमला 72, सिरमौर 86, कांगड़ा 58, हमीरपुर 87, मंडी में 72 और ऊना जिला में नॉर्मल से 71 फीसदी अधिक बादल बरसे। चंबा, कुल्लू, लाहौल स्पीति और किन्नौर जिला में में सामान्य से कम बारिश हुई है। बीते 24 घंटे (29 अप्रैल) के दौरान भी छह जिले (शिमला, सोलन, सिरमौर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी) में बारिश हुई। इससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसके बाद मैदानी इलाकों की जनता ने भीषण गर्मी से राहत की सांस ली है।

जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस ने पकड़ा आईएसआई नेटवर्क

लाइव फुटेज जा रही थी पाकिस्तान, एक आरोपी गिरफ्तार; सिम, चीन में बना सोलर सीसीटीवी मिला

जालंधर। पंजाब पुलिस के जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने आईएसआई समर्थित जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन के दौरान फिरोजपुर निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुखा को गिरफ्तार किया गया है, जिसे इस गिरोह का प्रमुख ऑपरेटिव बताया जा रहा है। जांच में सामने आया है कि आरोपी और उसके सहयोगी सोलर पावर से चलने वाले सीसीटीवी कैमरे विभिन्न स्थानों पर लगा रहे थे। इन कैमरों के जरिए संवेदनशील स्थानों, खासकर सेना से जुड़े इलाकों की निगरानी की जा रही थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इन कैमरों में 4त्न कनेक्टिविटी लगी हुई थी, जिससे लाइव फुटेज मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजी जा रही थी। पुलिस ने कपूरथला से चीन निर्मित सोलर सीसीटीवी उपकरण भी बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल निगरानी के लिए किया जा रहा था। इस मामले में स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल , अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान और इसके पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है। पंजाब डीजीपी ने एक्स पर कहा कि वह जासूसी नेटवर्क को खत्म करने और राज्य में शांति व सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। यह कार्रवाई राज्य की सुरक्षा के लिए एक अहम कदम मानी जा रही है, जिससे संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

न्यायालय परिसर में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन, एसीजेएम ने निभाई अनोखी भूमिका

कोटपूतली। स्थानीय न्यायालय परिसर में कार्यरत होम गार्ड प्रकाष के 33 वर्षों की लंबी एवं समर्पित सेवा पूर्ण होने पर गुरुवार को गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसीजेएम डॉ. अजय कुमार बिश्नोई सहित न्यायालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान वक्ताओं ने सेवानिवृत्त कर्मचारी के कार्यकाल की सराहना करते हुये कहा कि उन्होंने अपनी सेवा के दौरान ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी सरलता और सहयोगी स्वभाव के कारण वे सभी के प्रिय बने रहे। एसीजेएम डॉ. अजय कुमार बिश्नोई ने अपने संबोधन में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये स्वस्थ एवं सुखद जीवन की शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया अध्याय है, जिसे सकारात्मक सोच और उत्साह के साथ आगे बढ़ाना चाहिये। कार्यक्रम उस समय और भी रोचक हो गया।

यूपी और बिहार में आंधी-बारिश से 18 मौतें

राजस्थान के कोटा में मकान पर बिजली गिरी, दिल्ली-एनसीआर में बारिश के साथ ओले गिरे

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46डिग्री के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3एष्ट तक घट भी गया। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। कई जिलों में पेड़ गिर गए। उत्तराखंड के मसूरी में गुरुवार को ओले गिरे। दिल्ली में गुरुवार को दोपहर बाद ओले गिरे। वहीं राजस्थान के कई जिलों में लगातार दूसरे दिन बारिश जारी है। कोटा में एक मकान पर बिजली गिरी। इधर उत्तराखंड के देहरादून और मसूरी में भी बारिश के साथ ओले गिरे हैं। यूपी का बांदा लगातार तीसरे दिन 45.8डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। राजस्थान-मध्य प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तापमान 40डिग्री से ज्यादा रहा। एमपी में भोपाल और सीधी सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां पारा 43एष्ट से ज्यादा रहा।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

1 मई: पश्चिमी राजस्थान में लू चलेगी। उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बंगाल, बिहार, झारखंड, गंगा से सटे बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। केरलम, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। यानी यहां भारी बारिश होगी।

2 मई: पाकिस्तान से सटे राजस्थान में धूल भरी आंधी चलेगी। लू भी चलेगी। साथ ही आंधी बारिश का भी अलर्ट है।

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, विदर्भ, ओडिशा, बिहार, झारखंड, बंगाल, तेलंगाना, दक्षिण कर्नाटक में आंधी बारिश का यलो अलर्ट है। सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा, तमिलनाडु और केरलम में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है।

नॉर्थ-ईस्ट के 7 राज्यों में बारिश

पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्यों में भी बारिश हुई। मिजोरम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्कूल दूसरे दिन भी बंद रहे। खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम, फाटा, सोनप्रयाग, सर्सी और गुप्तकाशी में हेलीकॉप्टर सेवाएं रोक दी गईं हैं। मौसम विभाग ने बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश में आंधी, बारिश और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा रेड अलर्ट पर हैं।

एक साथ तीन सिस्टम एक्टिव, इसलिए मौसम के ऐसे हालात

दरअसल, देश में कई मौसमी सिस्टम एक साथ एक्टिव हो गए हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस, उत्तर से पूर्व तक फैली ट्रफ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी, ये तीनों मिलकर अस्थिर मौसम बना रहे हैं। जिन क्षेत्रों तक नमी नहीं पहुंच रही, वहां जमीन बेहद गर्म होने से लू चल रही है। मौसम के ऐसे हालात पूरी तरह असामान्य नहीं हैं। अप्रैल-मई में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होती हैं। पर इस बार कई सिस्टम एक साथ ज्यादा एक्टिव हैं। इसी कारण मौसम का असर ज्यादा तेज दिख रहा है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस यानी ठंडी और नम हवाओं का सिस्टम है। भूमध्यसागर क्षेत्र से उत्तर भारत तक आता है। अभी उत्तरी पाकिस्तान व आसपास के क्षेत्रों पर सक्रिय है। असर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड तक है। उत्तर भारत के मैदानों में इसी वजह से आंधी-बारिश हो रही है। ट्रफ लाइन यानी यह कम दबाव की पट्टी है। गर्म और नम हवाओं के मिलने का मार्ग बनाती है। पश्चिमी विक्षोभ की ठंडी और खाड़ी से आई नम हवा ट्रफ के साथ मिलने पर आंधी, बारिश और ओलावृष्टि होती है।

ट्रम्प ने अपनी फोटो शेयर कर लिखा-तूफान आने वाला है

ईरान बोला- अमेरिकी नाकाबंदी फेल होगी; कच्चे तेल की कीमत 126 प्रति बैरल पहुंची

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है। इसे ईरान को धमकी माना जा रहा है। इस तस्वीर पर लिखा है कि तूफान आने वाला है। और जो आने वाला है उसे कोई रोक नहीं सकता। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी कामयाब नहीं होगी। ईरानी बंदरगाहों को रोकने की कोई भी कोशिश आखिर में फेल ही होगी। उन्होंने नेशनल पर्शियन गल्फ डे के मौके पर कहा कि इस तरह की नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और इससे दुनिया की शांति पर भी असर पड़ता है। दूसरी तरफ मिडिल ईस्ट में जंग के बीच कच्चे तेल की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। रिपोर्ट्स मुताबिक ब्रेंट क्रूड करीब 126.31 डॉलर प्रति बैरल तक चला गया, जो मार्च 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फिलहाल यह करीब 123 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ट्रेड कर रहा है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

1. जंग में अमेरिका के 25 अरब खर्च: अमेरिका ईरान युद्ध पर पिछले 2 महीने में अब तक 25 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। अमेरिका ने पहली बार जंग में हुए खर्च की जानकारी दी है।

2. ट्रम्प ने राइफल के साथ फोटो शेयर की: ट्रम्प ने राइफल के साथ फोटो पोस्ट कर ईरान को चेतावनी दी। फोटो पर लिखा था- नो मोर मिस्टर नाइस गाइ (मैं नरमी नहीं बरतूंगा)।

3. ईरान ने ह्न में अमेरिका की शिकायत की: ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में शिकायत कर अमेरिका पर जहाज जब्त करने और 38 लाख बैरल तेल कब्जाने का आरोप लगाया।

4. लेबनान में 12 लाख लोगों पर भुखमरी का खतरा: यूएन से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया कि युद्ध, विस्थापन और आर्थिक दबाव के कारण लेबनान में 12 लाख से ज्यादा लोग खाद्य संकट झेल सकते हैं।

5. भारत-ईरान विदेश मंत्रियों की फोन पर बातचीत: विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने युद्धविराम, द्विपक्षीय रिश्तों और क्षेत्रीय हालात पर फोन पर चर्चा की।

ईरान बोला- अमेरिकी ठिकाने खुद सुरक्षित नहीं, दूसरों को क्या बचाएंगे

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने एक बयान जारी कर कहा कि उनका देश अपनी परमाणु और मिसाइल क्षमता से किसी भी हाल में पीछे नहीं हटेगा। उनका यह लिखित बयान ईरान के सरकारी टीवी पर पढ़कर सुनाया गया। खामेनेई ने कहा कि ईरान अपनी परमाणु और मिसाइल ताकत को देश की संपत्ति मानता है और हर हाल में उसकी रक्षा करेगा।

निकायों में अफसरों को प्रशासक बनाने के आदेश पर रोक

सरकार ने जवाब नहीं दिया, वकील भी पेश नहीं हुआ; हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने निकायों में अधिकारियों को प्रशासक बनाने के आदेश पर रोक लगा दी है। स्वायत्त शासन विभाग ने 7 फरवरी को आदेश जारी कर प्रदेश के नगर निकायों में नए बोर्ड के गठन तक महापौर, सभापति और अध्यक्ष की शक्तियां आयुक्त और अधिशासी अधिकारी (ईओ) को सौंप दी थी। कोर्ट ने डीएलबी के इस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा जवाब पेश नहीं करने और वकीलों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताते हुए यह महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया।

खुडाला-फालना के पूर्व पार्षद ने दी चुनौती

पाली जिले के खुडाला-फालना के पूर्व पार्षद भरत कुमार चौधरी ने अपने एडवोकेट दिविक माथुर के जरिए यह याचिका दायर की थी। याचिका में स्वायत्त शासन विभाग के आयुक्त और शासन सचिव की ओर से 7 फरवरी 2026 को जारी आदेश को चुनौती दी गई थी। इस आदेश में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम-2009 की धारा 326 का प्रयोग करते हुए नगर निगम, परिषद और पालिकाओं में महापौर, सभापति, अध्यक्ष और वित्त समिति की शक्तियों के प्रयोग के लिए नए बोर्ड के गठन तक आयुक्त या अधिशासी अधिकारी को अधिकृत किया गया था। याचिकाकर्ता का तर्क था कि सरकार का यह कदम नियम के खिलाफ है, क्योंकि इससे नगरपालिका लेखा नियम 1963 और नगरपालिका क्रय एवं संविदा नियम 1974 के तहत अध्यक्ष व वित्त समिति को मिले अधिकार सीधे ईओ के पास चले गए। इससे निकायों में भ्रष्टाचार और निरंकुशता को बढ़ावा मिलने की आशंका थी।

सरकार को दिया गया था जवाब का अवसर

कोर्ट ने पूर्व में हुई सुनवाइयों के दौरान स्वायत्त शासन विभाग और राज्य सरकार को अपना पक्ष रखने का मौका दिया था। 6 मार्च को हुई सुनवाई में जस्टिस नूपुर भाटी की कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से वे डॉक्युमेंट भी रिकॉर्ड पर रखने को कहा था, जिनसे साबित हो कि 7 फरवरी के आदेश के तहत प्रशासक की शक्तियां अधिशासी अधिकारी को दे दी गई है। इसके बाद 6 अप्रैल को हुई सुनवाई में सरकार की ओर से वकील उपस्थित हुए थे। कोर्ट ने उन्हें जवाब दाखिल करने का समय दिया था। जस्टिस सुदेश बंसल की कोर्ट में 29 अप्रैल 2026 को मामले की दोबारा सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से न कोई वकील उपस्थित हुआ और न ही कोई जवाब पेश किया गया।

कोर्ट ने जताई नाराजगी, आदेश किया स्थगित

कोर्ट ने सरकार की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए स्वायत्त शासन विभाग के 7 फरवरी के आदेश के संचालन को आगामी आदेशों तक के लिए स्थगित कर दिया। याचिकाकर्ता और खुडाला-फालना के पूर्व पार्षद भरत चौधरी ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा- राज्य सरकार ने 7 फरवरी के आदेश के जरिए नगरपालिका अध्यक्ष और वित्त समिति के जो अधिकार अधिशासी अधिकारियों (ईओ) को सौंपे थे, जो गलत था।

सिलेंडर बदलते समय गैस लीक, 7 लोग झुलसे

परिवार का मुखिया गंभीर, अलवर रेफर; पड़ोसियों की मदद से टला बड़ा हादसा

भिवाड़ी। भिवाड़ी के साथलका गांव स्थित बिल्लू लेबर कॉलोनी में गुरुवार सुबह 7:30 बजे गैस सिलेंडर लीकेज के कारण बड़ा हादसा हो गया। खाना बनाते समय अचानक आग लगने से एक ही परिवार के सात सदस्य झुलस गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अलवर रेफर कर दिया गया। कॉलोनी के रहने वाले संजय कुमार पटेल ने बताया- उत्तर प्रदेश निवासी नेम सिंह (35) अपने परिवार के साथ बिल्लू कॉलोनी में किराए के कमरे में रहते हैं। गुरुवार सुबह परिवार के लिए खाना बनाया जा रहा था। इसी दौरान नेम सिंह दूसरा गैस सिलेंडर बदल रहे थे। सिलेंडर बदलते समय उसमें अचानक लीकेज शुरू हो गया। कुछ ही पलों में कमरे में एलपीजी गैस फैल गई और आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि कमरे में मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए। इस दौरान घर से बाहर भागकर परिवार ने जान बचाई। इस दौरान घर के पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई। हादसे में नेम सिंह सहित परिवार के सात लोग घायल हुए हैं। घायलों में नेम सिंह (35), उनकी पत्नी ममता (30), मामा बृजेश (32), पुत्र पंकज (8), पुत्र छगन (6), पुत्री काजल (15) और पुत्री किशनबती (12) शामिल हैं। घटना के समय परिवार के सदस्य कमरे में मौजूद थे, जिससे सभी आग की लपटों की चपेट में आ गए। 5 किलो एलपीजी गैस के सिलेंडर से खाना बना रहे थे। अचानक गैस खत्म होने पर परिवार का मुखिया सिलेंडर बदल रहा था। इसी दौरान नए सिलेंडर ने आग पकड़ ली और तेजी से लपटे निकलने लगीं।

एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत 13 प्रकरणों में जप्तशुदा माल को जिला स्तरीय कमेटी ने जलाकर किया नष्ट

कोटपूतली। मादक पदार्थों के प्रकरणों में जप्तशुदा माल के निस्तारण के संबंध में जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत गुरूवार को जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के नेतृत्व में एएसपी नीमराणा सुरेश खिंची, डीएसपी कोटपूतली राजेन्द्र बुरडक, अपराध सहायक प्रदीप कुमार की गठित कमेटी द्वारा कोटपूतली थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा, सरूण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह, मांढन थानाधिकारी किरण यादव, एएसआई कृष्ण कुमार, शेरसिंह, हैड कानि. विक्रम सिंह की मौजूदगी में पुलिस थाना कोटपूतली, सरूण्ड, माढन, नीमराना, नारायणपुर व पनियाला के एन.डी.पी.एस. एक्ट के प्रकरणों में जप्तशुदा मादक पदार्थों का प्रक्रियानुसार अल्ट्राटेक सीमेन्ट फैक्ट्री के अधिकारी, कर्मचारियों व थानों के मालखाना इंचार्ज व ड्यूटी में लगे पुलिस कार्मिकों के सहयोग से तकरीबन 06 किलो ग्राम मादक पदार्थों को अल्ट्राटेक सीमेन्ट फैक्ट्री मोहनपुरा के किलन में जलाकर नष्ट किया गया।

Why is India turning to crocodiles and snakes to 'fence' Bangladesh border?

New Delhi, India – Indian officials have floated a controversial plan to introduce apex predators such as crocodiles and venomous snakes into riverine stretches along the Bangladesh border, to act as natural deterrents against undocumented migration and smuggling in places where erecting fencing is difficult. India's 4,096km-long (2,545-mile) border with Bangladesh runs through some challenging terrain – and New Delhi has found some stretches impossible to fence. In an internal communication dated March 26, India's Border Security Force (BSF), which patrols international borders with Pakistan and Bangladesh, ordered personnel at its headquarters on the eastern and northeastern fronts to explore "the feasibility of deploying reptiles in vulnerable riverine gaps".

The government's latest move to fence the border with Bangladesh has alarmed human rights activists and wildlife conservationists alike in India. What are the risks of such a move for local communities on both sides of the border – and for the ecosystem of the region? A view of the river flowing through Petrapole, close to the India-Bangladesh international border, in India on October 16, 2024 [Sahiba Chawdhary/Reuters]

Why does India's border force want to deploy killer wildlife?

The India-Bangladesh border runs along the Indian states of West Bengal, Tripura, Assam, Meghalaya and Mizoram. There is difficult and unforgiving terrain in these areas, passing through hills, rivers and valleys.

The IPL chase no longer waits for the last over

The last week of IPL fixtures in April 2026 made for fascinating, if counterintuitive, viewing. On the Saturday double-header, a combined 986 runs were scored across two games. Punjab Kings chased down 264. A few hours later, Sunrisers Hyderabad overhauled 228. Neither game saw a 20th over in the chase. Then, the following day, two of the competition's bottom-feeders - Kolkata Knight Riders and Lucknow Super Giants - kept handing each other the advantage like a hot potato, eventually needing a Super Over to settle things. That Super Over felt like an outlier. Because Super Overs are outliers now. The last one before this came in Delhi last year, when the 2025 Rajasthan Royals - a side with a recurring habit of leaving games unfinished - ran into Mitchell Starc at the death. Before that, you have to scroll all the way back to 2021. That's three Super Overs in five years and four in the year before that. But if you read the headline, you already know Super Overs are not the point. They are merely a consequence, the extreme end of a last-over thriller. And last-over thrillers, where drama-seekers find their bread and butter, are not as frequent as they once were.

Passport row: SC grants anticipatory bail to Congress leader Pawan Khera in forgery, defamation case

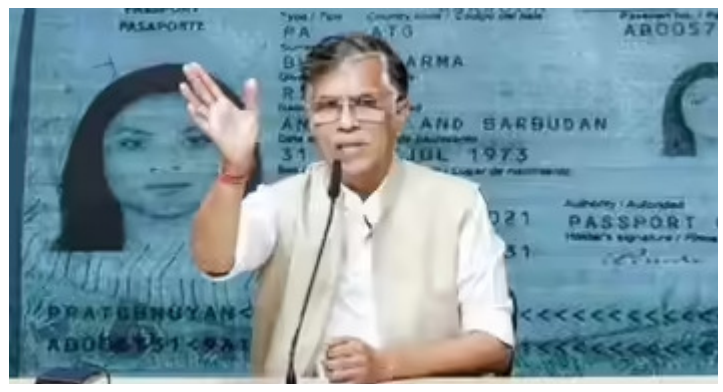

NEW DELHI: The Supreme Court on Friday granted anticipatory bail to Congress leader Pawan Khera in a forgery and defamation case linked to alleged false claims against Assam chief minister Himanta Biswa Sarma and his wife, Riniki Bhuyan Sharma.

This comes a day after the apex court reserved its order on Khera's anticipatory bail plea.

During the hearing, Khera told the court that the allegations against him were a matter of trial. He further said, "Some sections invoked against me are bailable, others don't require arrest."

Khera also submitted that if he does not get anticipatory bail in the case registered against him in Assam, "then purpose of pre-arrest bail is gone."A bench of Justices JK Maheshwari and AS Chandurkar reserved its verdict after hearing arguments from both sides.

Appearing for Khera, senior advocate Abhishek Singhvi said the case did not warrant custodial interrogation and reiterated that arrest was unnecessary.

Opposing the plea, solicitor general Tushar Mehta, representing the Assam government, told the court that Khera had shown "fake" and "doctored" copies of passports belonging to the chief minister's wife.

He also alleged that Khera had been absconding and disseminating videos, while maintaining that claims of multiple citizenship were false. The case stems from allegations made by Khera regarding Riniki Bhuyan Sharma, following which criminal complaints were filed against him at the Guwahati crime branch under provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita.Khera has challenged an April 24 order of the Gauhati high court, which denied him anticipatory bail.

Mamata Banerjee's Visit To Strongroom, Trinamool's Protest

Late-Night EVM Drama In Bengal

With just two days left for counting in the high-stakes Assembly elections, the Trinamool alleged that the ballot boxes were opened without the presence of authorised party representatives.

New Delhi: Bengal witnessed a late-night drama on Thursday amid Trinamool Congress' (TMC) concerns over alleged tampering of electronic voting machines (EVMs), with Chief Minister Mamata Banerjee spending hours inside a strongroom and her party staging a sit-in protest. With just two days left for counting in the high-stakes Assembly elections, the Trinamool alleged that the ballot boxes were opened without the presence of authorised party representatives - shortly after the second and final phase of polling concluded in the state. Mamata Banerjee, along with her election agent, visited the counting centre for the Bhabanipur Assembly segment at Sakhawat Memorial School in Kolkata on Thursday evening, alleging possible malpractice. After spending nearly four hours inside the strongroom, she emerged around 12:07 am with a defiant tone and warned against any attempt to tamper with the counting process. "Either the candidate or one agent can stay upstairs. I have also suggested installation of a CCTV camera for the media," she told reporters. Stressing the need for transparency, she said, "People's votes must be protected. I rushed here after receiving complaints. The central forces initially did not allow me to enter. If there is any plan to tamper with the counting process, it will not be tolerated." During this time, Kolkata Mayor and Trinamool candidate from the Kolkata Port seat, Firhad Hakim, too reached the spot, but could not meet the Chief Minister.

BJP leader Suvendu Adhikari, who is contesting against Banerjee in Bhabanipur, shared a video on X showing his election agent keeping "strict surveillance" in the EVM strongroom where the Chief Minister went in for hours. "I wish to assure the esteemed community of voters from the entire state of West Bengal, including the Bhabanipur constituency, that the Trinamool Congress candidate from this center, namely the outgoing Chief Minister, the Honorable, has been strictly instructed to refrain from availing any undue advantages. As long as she was present in the strong room premises, my election agent, Advocate Suryanil Das, was personally there keeping her under strict surveillance so that she could not resort to any dishonest means," he said. Adhikari added, "No matter how much effort she makes, she has been unable to engage in any activities outside the rules."

Simultaneously, the Trinamool held a sit-in protest outside a strongroom at Netaji Indoor Stadium in central Kolkata, where EVMs for several Assembly constituencies in north Kolkata are kept - hours after Mamata Banerjee released a video message warning party workers about the possibility of EVM tampering and urged them to guard strongrooms until counting begins. At the centre of the protest was Bengal minister Shashi Panja and Trinamool spokesperson Kunal Ghosh - both of whom are candidates in the Assembly elections. Alleging discrepancies in the process, Ghosh said, "Party workers and supporters were present outside the strongroom till 3.30 pm. Suddenly, an email was sent informing that the strongroom would be opened again at 4 pm. We contacted our workers, and they said they had left. We then rushed here. Now we are not being allowed to enter. BJP is being invited." Panja, who is contesting from Shyampukur constituency, also questioned the procedure and said, "The strongroom is extremely sensitive. If it is opened, all political parties must be informed. Why was no one informed?"

Election Commission denies allegations

The Election Commission dismissed the claims regarding the handling of polled materials at the centre, asserting that all procedures were duly followed and the strongrooms remain secure. "The last strongroom was closed in the morning around 5:15 am. All strong rooms containing polled EVMs are safely secured and sealed. There is another strongroom in the same premises for the postal ballots, wherein we have kept AC-wise polled ballots as done by different polling personnel and ETBPS," the EC said in a statement. "These are all pure rumours that the TMC is spreading now to create an environment of fear because they're themselves scared. I have also come here to check the strongroom. The TMC is spreading lies," he said. West Bengal's Assembly election has been one of the most closely watched state contests in India this year, with the BJP making an aggressive push to challenge Trinamool's hold over the state and Banerjee seeking another term in office. The state concluded its second and final phase of voting amid violence and a political firestorm over the revision of the voter list on April 29. The Election Commission confirmed that counting for the 294-seat Assembly election will begin on May 4 under heavy security arrangements.

60 Day Deadline Hours Away, Team Trump Denies Being At War With Iran

Washington: The Donald Trump administration is saying that the United States is "not at war" with Iran, even as the ongoing deadlock in the Middle East conflict continues to weigh on markets across all regions, pushing oil prices to an historic high. The remarks from Team Trump came as the legal deadline requiring congressional approval for military action approaches. They believe that a ceasefire with Iran effectively "pauses" the legal deadline requiring congressional approval for military action. When US House Speaker Mike Johnson was asked about the 60-day deadline, he replied, "We are not at war." "I don't think we have an active, kinetic military bombing, firing or anything like that. Right now, we are trying to broker a peace," Johnson told NBC News. "I would be very reluctant to get in front of the administration in the midst of these very sensitive negotiations, so we'll have to see how that plays out," he added.

ALSO READ: The 60-Day Clock That May Stop Trump's Iran War, And How He Could Ignore It

What Pete Hegseth Said US Secretary of Defence Pete Hegseth also told lawmakers that he believes the ceasefire with Iran "pauses" a 60-day clock on congressional authorisation for war. Hegseth made the remarks when asked by Democratic Senator Tim Kaine at a congressional hearing about whether the Trump administration would seek authorisation from Congress for the war with Iran on the 60-day mark of the war -- which is on May v-- as required by law.

"Ultimately, I would defer to the White House and White House counsel on that. However, we are in a ceasefire right now, which, in our understanding, means the 60-day clock pauses or stops in a ceasefire," Hegseth said. ALSO READ: Trump "Won't Nuke Iran" But "Clock Ticking" As xrd Aircraft Carrier Arrives

The war started on February w} after Israel and the United States launched joint attacks on Tehran and other Iranian cities, killing Iran's then Supreme Leader Ali Khamenei, senior commanders, and civilians. Iran retaliated by bombing Israel and US bases in the neighbouring Gulf nations. It also blocked a major commercial shipping route through the Strait of Hormuz.

President Donald Trump notified Congress of the military campaign against Iran on March w, making May v the {®-day milestone at which point the US War Powers Act requires the president to start winding down a war unless he receives congressional authorisation, according to media reports.

राजस्थान में दवाओं पर बड़ा एक्शनः खांसी-जुकाम और इंफेक्शन की 7 दवाएं 'क्वालिटी टेस्ट' में फेल, बिक्री पर रोक

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने जारी किया अलर्ट अस्पतालों और फार्मेसी को स्टॉक तुरंत हटाने के निर्देश

स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं ये दवाएं

जयपुर। राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग ने सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा को देखते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय (Commissionerate of Food Safety and Drug Control) ने प्रयोगशाला परीक्षण के बाद 7 दवाओं को नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (NSQ) यानी घटिया गुणवत्ता का घोषित किया है। विभाग ने इन दवाओं के विशिष्ट बैचों की बिक्री, वितरण और उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इन 7 दवाओं पर लगा प्रतिबंध (चेक लिस्ट) जांच में जो दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरीं, उनकी सूची नीचे दी गई है- लोराक्सिम (Lora&im) ड्राई सिरप (सेफिक्साइम) बच्चों में इंफेक्शन के लिए इस्तेमाल होने वाली इस दवा का एक्टिव इंग्रीडिएंट मानक के अनुरूप नहीं पाया गया। (निर्माता- लार्क लेबोरेट्रीज, भिवाड़ी)

एल्बेंडाजोल टैबलेट: पेट के कीड़ों के इलाज में प्रयुक्त यह दवा डिसॉल्यूशन टेस्ट (घुलनशीलता) में फेल हो गई। (निर्माता- अफ्फी पेरेंटरल, हिमाचल प्रदेश)

आईसटोकफ-एलएसड्रॉप्स: खांसी की इस दवा में भी औषधीय तत्व मानकों से कम पाए गए। (**निर्माता:** डिजिटल विजन, हिमाचल प्रदेश)

मिथाइलोएक्टिव-4 टैबलेट: सूजन और एलर्जी के लिए

इस्तेमाल होने वाली यह स्टेरायड दवा गुणवत्ता के कई पैमानों पर विफल रही। (**निर्माता:** यूनाइटेड बायोस्युटिकल्स, हरिद्वार)

ओकुफ-डीएक्स सिरप: सूखी खांसी की इस सिरप में आवश्यक साल्ट की मात्रा तय सीमा से कम मिली। (**निर्माता:** टक्सा लाइफसाइंसेज, पंजाब)

एक्सटेंसिव-500: इंफेक्शन रोकने वाली यह एंटीबायोटिक (सेफुरोक्सिम) भी टेस्ट में फेल रही। (**निर्माता:** वीएडीएसपी फार्मा, हिमाचल प्रदेश)

सिप्रोफ्लोक्सासिन 500: एक अन्य महत्वपूर्ण एंटीबायोटिक जो गुणवत्ता जांच में विफल पाई गई। (**निर्माता:** ओमेगा फार्मा, हरिद्वार) क्यों खतरनाक हैं ये घटिया दवाएं? कमिश्नर डॉ. टी. शुभमंगला के अनुसार, इन दवाओं में सक्रिय तत्वों की कमी या उनके सही से न घुलने के कारण मरीज का इलाज प्रभावी नहीं हो पाता। विशेषकर एंटीबायोटिक दवाओं की खराब गुणवत्ता एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के खतरे को बढ़ाती है, जिससे भविष्य में सामान्य दवाओं का असर शरीर पर खत्म हो सकता है।विभाग की सख्त कार्रवाईराज्य औषधि नियंत्रक अजय पाठक ने सभी औषधि नियंत्रण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पूरे राजस्थान में बाजार और अस्पतालों से इन संदिग्ध बैचों को तुरंत वापस लें। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि इन निर्माताओं की अन्य दवाओं के भी नमूने लिए जाएं। आदेश का उल्लंघन करने वाली फार्मेसी या वितरकों के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।आम जनता को सलाह- यदि आपके पास ऊपर दी गई सूची की दवाएं हैं, तो उनके बैच नंबर और एक्सपायरी की जांच करें और उनका उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह लें।

अब लेपर्ड को आदमखोर-घोषित करने से पहले अपनाएंगे वैज्ञानिक-कानूनी प्रक्रिया

आबादी क्षेत्र में आने पर मारने की बजाय पकड़ने पर प्राथमिकता; वन विभाग ने जारी की एसओपी

जयपुर। जयपुर शहर और आसपास की कॉलोनियों में लेपर्ड की आवाजाही बढ़ती जा रही है। कई बार लोगों पर हमले के बाद लेपर्ड को पकड़ने में प्रोटोकॉल फॉलो नहीं किया जाता। ऐसे में राजस्थान वन विभाग ने राज्य में स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी किया है। इस गाइडलाइन में बताया गया कि लेपर्ड को आदमखोर घोषित करने से पहले वैज्ञानिक और कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके अलावा लेपर्ड को मारने के बजाय पकड़ने और सुरक्षित स्थान पर ले जाने को प्राथमिकता दी जाएगी। जहां इंसानी जीवन को खतरा न हो, वहां लेपर्ड को अनावश्यक रूप से पकड़ने या दूसरी जगह ट्रांसफर करने से बचा जाएगा। इससे लेपर्ड की सुरक्षा के साथ-साथ इंसानों और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष को कम किया जा सकेगा। मुख्य वन्यजीव वार्डन केसीए अरुण प्रसाद ने बताया- इस SOP में वन अधिकारियों, रेस्क्यू टीमों, जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच समन्वय की रूपरेखा तैयार की गई है। इसमें जानवरों की संख्या के साथ ही आमजन की सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के पालन पर जोर दिया गया है।

अजमेर में सोटे की मार खाने सड़क पर उमड़े भक्त

होलिका ने बाजार में उत्पात मचाया; शहर में हुआ अनोखा लाल्या-काल्या मेला

अजमेर। अजमेर के नया बाजार में गुरुवार को 350 साल पुरानी परंपरा के तहत प्रसिद्ध लाल्या-काल्या मेले का आयोजन हुआ। मेले में आस्था और परंपरा का अनोखा संग देखने को मिला। यहां श्रद्धालु भगवान विष्णु के वराह और नृसिंह अवतार की लीलाओं के साक्षी बने। मेले की सबसे खास बात यह रही कि यहां श्रद्धालु लाल्या (वराह अवतार) के सोटे का प्रहार प्रसाद के रूप में ग्रहण करते नजर आए। वहीं, काल्या (हिरण्याक्ष) के सोटे से बचते दिखे। मान्यता है कि लाल्या का सोटा पड़ने से बिगड़े काम बनने लगते हैं। भाग्य साथ देने लगता है, वहीं काल्या के प्रहार को अशुभ माना जाता है। गुरुवार को नया बाजार में 5 बजे शहनाई की गूंज के साथ मेला शुरू हुआ। शहरवासी नृसिंह चतुर्दशी पर भरने वाला लाल्या-काल्या का मेला देखने पहुंचे। बाजार की हर दुकान, मकान, चबूतरा और छत शहरवासियों से भर गई। बाजार में 5:11 बजे काल्या (हिरणकश्यप) पहुंचते ही जमकर सोटे बरसाए गए। युवाओं की टोली काल्या के आगे पीछे चिढ़ाते हुए दौड़ी। इसी बीच लाल्या (वराह अवतार) भी मंदिर से सोटे बरसाते हुए निकले। हर 10-15 मिनट के अंतराल में बाजार की ही दुकानों में काल्या-लाल्या को विश्राम कराया गया। हाथ-पैर दबाए गए। शाम 5.51 बजे नकटी (होलिका) बाजार में आई, खूब उत्पात मचाया। युवा इसके आगे-पीछे... नकटी-नकटी और बुआजी चिढ़ाते हुए दौडे। उधर नृसिंह नोहरे के बाहर राजा (हिरणकश्यप) आ पहुंचे, तलवार घुमाते हुए आतंक मचाया, मूंछों पर ताव दीया। ब्रह्माजी, नारदजी के समझाने के बाद भी भक्त प्रहलाद को ठुकरा दीया गया। धीरे-धीरे जय-जय नृसिंह के जयकारों का घोष बढ़ने लगे। पात्रों को मंदिर में ले जाया गया। शाम को 6:52 बजे भगवान नृसिंह खंभा फाड़कर प्रकट होते हैं। प्रहलाद को दुलारते हैं। अंत में भगवान नृसिंह मंदिर की छत पर भगवान नृसिंह भक्त प्रहलाद को दुलारते हैं। भक्त नृसिंह की पूंछ के फटकारों और कागज से बने खंभ के टुकड़ों को प्रसाद के रूप में लेते हैं। श्रद्धालु उसे अपनी तिजोरी में संभाल कर रखते हैं। मान्यता है कि इससे व्यापार में वृद्धि और घर में सुख समृद्धि आती है। मेला संयोजक साकेत बंसल ने बताया कि इससे पहले सुबह प्राकट्य आरती हुई, फूल बंगला सजाया गया था।

जयपुर समेत 4 जिलों में बारिश, कोटा में बिजली गिरी

भरतपुर में ओले गिरे, अंधड से अजमेर हाईवे पर पेड गिरा; चित्तौडगढ़ रहा सबसे गर्म

जयपुर। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर गुरुवार को भी देखने मिला। जयपुर, धौलपुर, अलवर, सीकर में बारिश हुई। भरतपुर के नदबई में ओले गिरे। जयपुर में खराब मौसम के चलते फ्लाइट्स का शेड्यूल गडबडा गया। जयपुर-अजमेर हाईवे पर किशनगड के पास पेड़ गिर गया। बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे थे। कोटा में बारिश के बीच एक मकान पर बिजली भी गिर गई। मौसम के इस बदलाव से लोगों को भीषण गर्मी और हीटवेव से राहत मिली है। वहीं, श्रीगंगानगर, सीकर और पिलानी समेत 10 से ज्यादा शहरों का पारा 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। चित्तौड़गड में सबसे ज्यादा तापमान 43.4 डिग्री रहा। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर ने 8 जिलों में बारिश और आंधी का यलो अलर्ट जारी किया है।

गर्मी से जुड़े बडे अपडेट्स

गर्मी के कारण बदला समय: चित्तौड़गड में बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा तापमान रहा। भीषण गर्मी के कारण यहां की दो सेंचुरी में वन्यजीव गणना का टाइम चेंज किया गया। गणना की बजाए शाम से होगी। यहां वन्यजीवों के लिए अलग से 60 से ज्यादा वाटर होल्स भी बनाए गए हैं।

तापमान गिरा, लू से मिली राहत: बीते 24 घंटे बारिश-ओले गिरने के कारण दिन-रात के तापमान में तीन-चार डिग्री तक गिरावट हुई है। लू से भी थोडी राहत मिली है। हालांकि, आंधी के कारण कोटा में शादियों के टेंट उड गए। कैथून में एक मकान पर बिजली गिरने के कारण छत्त का बडा हिस्सा टूट गया। हालांकि, जान का नुकसान नहीं हुआ है।

दोपहर तक साफ रहा मौसम: बुधवार सुबह से दोपहर तक आसमान साफ रहा। सबसे ज्यादा गर्मी चित्तौड़गढ़ में रही, जहां का अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बाड़मेर में 42, जैसलमेर में 42.6, कोटा में 41.3, बीकानेर में 41.4, जोधपुर में 41.3 में दर्ज हुआ।

कोटा में सेवन वंडर्स में हादसा, पट्टियां टूटकर गिरी

कोटा में बुधवार रात आंधी-तूफान और बारिश के दौरान सेवन वंडर्स में हादसा हो गया। एक ही परिवार के 8 लोगों पर पट्टियां टूटकर गिर गई। बारिश आने पर सभी लोग इसके नीचे खड़े थे। घायलों में दो लोगों के हाथ फ्रैक्चर हुए हैं।

दौसा में आंधी चली

दौसा में गुरुवार शाम को धूलभरी आंधी चली। आंधी के चलते हाईवे पर वाहन ड्राइवरों को परेशान का सामना करना पडा। अंधड से शादी समारोह में भी परेशानी हुई।

जयपुर में बूंदाबांदी

जयपुर में गुरुवार शाम को मौसम बदल गया है। आंधी के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई है।

भरतपुर के नदबई में ओले गिरे

भरतपुर के नदबई में बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश ने पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत पहुंचाई।

जोधपुर के माचिया सफारी में शेर-भालू के लिए लगाए कूलर

जोधपुर में गर्मी का असर बढ़ने के साथ ही वन्य जीवों के लिए खास व्यवस्था की गई है। माचिया के रेंजर करण सिंह राजपुरोहित ने बताया कि यहां 300 के करीब वन्यजीव है। गर्मी को देखते हुए शेर, भालू, भेड़िए से लेकर हिरण, चीतल सभी के लिए फव्वारे और कूलर लगाए गए हैं।

आंधी-बारिश से गड़बड़ाया फ्लाइट शेड्यूल

जयपुर में गुरुवार शाम अचानक बदले मौसम से एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स की लैंडिंग प्रभावित हुई। दिल्ली से जयपुर आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6E - 5033, गुवाहाटी से जयपुर की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX - 1514 और पुणे से जयपुर की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX - 2458 काफी देर तक आसमान में चक्कर लगाती रही। बाद में इनमें से दो की लैंडिंग कराई गई। वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX - 2458 को लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। इसी बीच दिल्ली में भी खराब मौसम के कारण एयर इंडिया की फ्लाइट AI - 1898 को जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। यहां इसकी सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। यह फ्लाइट भुवनेश्वर से दिल्ली जा रही थी।

सीकर में बूंदाबांदी

सीकर में गुरुवार दोपहर बाद मौसम में बदलाव आया। आंधी चलने के साथ कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई है।

आंधी से जयपुर-अजमेर हाईवे पर पेड गिरा

अजमेर जिले के किशनगढ़ और आसपास के क्षेत्र में बुधवार देर रात मौसम का मिजाज बदल गया। इलाके में कई जगहों पर आंधी के साथ तेज बारिश हुई। इससे किशनगढ़ के अजमेर रोड स्थित परासिया इलाके में एक पेड़ जयपुर-अजमेर हाईवे पर गिरा।

जेके लोन हॉस्पिटल पहुंचे कलेक्टर,बच्चों के परिजनों से पूछा-क्या परेशानी ?

परिवार बोले- काउंटर पर दवाइयां नहीं मिलती; स्टाफ के खराब व्यवहार की शिकायत की

जयपुर। जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने गुरुवार को जे.के. लोन हॉस्पिटल का दौरा किया। यहां उन्होंने हॉस्पिटल में मिलने वाली बेसिक सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान वे वार्डो में गए। भर्ती बच्चों के लिए गर्मी से बचाव के लिए लगाए कूलर, डक्टिंग, पंखों के अलावा पीने के पानी की व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने कुछ बच्चों के परिजनों से हॉस्पिटल का फीडबैक लिया, जिसमें उन्हें दवाईयां उपलब्ध नहीं होने और स्टाफ के खराब रवैये की शिकायत मिली। संदेश नायक सुबह करीब 11 बजे जेके लोन पहुंचे। यहां उनके साथ विजिट में हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. आर.एम. सेहरा समेत अन्य प्रशासनिक पदों पर लगे डॉक्टर्स भी मौजूद रहे। कलेक्टर ने ओपीडी ब्लॉक, एनआईसीयू, जनरल वार्डों और लैब का दौरा किया। ओपीडी ब्लॉक और हॉस्पिटल के उन कॉमन एरिया में कूलर, पंखे और छाया, पीने के पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जहां मरीजों के परिजन ठहरते है। उन्होंने हॉस्पिटल में जिन-जिन स्थानों पर पीने के पानी की

व्यवस्था है। वहां वॉटर कूलर, आरओ मशीन लगवाने और जहां पहले से लगे हैं। वहां खराब हैं तो उनको ठीक करवाने के निर्देश दिए।

काउंटर पर दवाईयां की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर ने कुछ वार्डों का भी दौरा किया। वार्डों में भर्ती बच्चों के परिजनों से बातचीत कर वहां का फीडबैक लिया। परिजनों ने दवाई काउंटरों पर समुचित दवाइयां नहीं मिलने और स्टाफ के खराब व्यवहार की शिकायत की। मरीजों ने बताया- काउंटर पर दवाइयां और दूसरी चीजें होने के बाद भी कई मरीजों को वहां मौजूद स्टाफ बिना दवाई या अन्य सामान दिए लौटा देते हैं। इसके बाद कलेक्टर ने अधीक्षक से काउंटर पर दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मरीजों से मिले फीडबैक के आधार पर बच्चों के उपचार में किसी तरह की कोताही नहीं बरतने और लापरवाही करने वाले स्टाफ के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए।

पुलिस मुख्यालय में 3 अधिकारियों का किया सम्मान

कोटा रेंज आईजी को दी विदाई; हेड-कॉन्स्टेबल ने युवक को वापस दिलाया खोया फोन

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में बुधवार को रेंज समीक्षा बैठक के दौरान सम्मान और विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीजीपी पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने की। इसमें उत्कृष्ट सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान के लिए तीन पुलिस अधिकारियों को प्रतिष्ठित 'डीजीपी डिस्क' से सम्मानित किया गया। वहीं सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में भरतपुर रेंज आईजी कैलाश विश्नोई, कोटा रेंज आईजी राजेंद्र प्रसाद गोयल और भीलवाड़ा के दुर्गालाल ढोली को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डीजीपी डिस्क प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी दौरान कोटा रेंज आईजी के पद से सेवानिवृत्त हो रहे राजेंद्र प्रसाद गोयल का सम्मानपूर्वक विदाई अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर संजय अग्रवाल, डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल और डीजी स्पेशल ऑपरेशंस आनंद श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके पुलिस विभाग में लंबे और गौरवशाली कार्यकाल की सराहना की। समारोह में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, सभी रेंज आईजी और जयपुर और जोधपुर के पुलिस आयुक्तों की उपस्थिति रही।

बुजुर्ग महिला की जमीन पर कब्जे का प्रयास, पीड़िता पहुंची कमिश्नरेट

शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला की जमीन पर कब्जा करने के प्रयास का मामला सामने आया। पीड़िता भंवर कुमारी ने कुछ लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि फर्जी पट्टे के आधार पर उसकी जमीन हड़पने की कोशिश की जा रही है। पीड़िता के अनुसार- शिकायत दर्ज होने के बावजूद स्थानीय थाना पुलिस ने मौके पर जाकर ठोस कार्रवाई नहीं की। इससे परेशान होकर बुजुर्ग महिला परिवार के साथ पुलिस कमिश्नरेट पहुंची और अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। भंवर कुमारी ने आरोप लगाया- जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास लगातार जारी है, लेकिन पुलिस की ओर से समय पर हस्तक्षेप नहीं किया गया। इससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। वहीं, पुलिस के आला अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हेड कॉन्स्टेबल की सक्रियता से युवक को मिला खोया फोन

सिंधी कैंप थाना क्षेत्र में एक यात्री का बस में छूटा मोबाइल कुछ घंटों में पुलिस ने बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार- एक युवक बस से यात्रा कर सिंधी कैंप पहुंचा था। जल्दबाजी में उतरते समय उसका मोबाइल फोन सीट पर ही छूट गया। मोबाइल में डाटा और दस्तावेज होने के कारण युवक ने पुलिस को इसकी सूचना दी। शिकायत मिलते ही ड्यूटी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल गणेश लाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। तकनीकी सहायता और नेटवर्क की मदद से संबंधित बस की लोकेशन ट्रेस की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम मोबाइल को सुरक्षित बरामद करने में सफल रही। थाना परिसर में जब युवक को उसका मोबाइल सौंपा गया तो उसने खुशी जताई।

सावधानी ही बचाव

इस दौरान पुलिस ने आमजन से अपील की कि सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करते समय कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें। बस या ऑटो से उतरते समय सीटों की जांच जरूर करें, ताकि इस तरह की परेशानी से बचा जा सके।

प्रदेश की पीएचसी-सीएचसी जिला हॉस्पिटलों में नहीं हो रही 50% जांचें

केंद्रीय मंत्रालय ने पत्र लिखकर जताई नाराजगी, संख्या जल्द बढ़ाने के निर्देश

जयपुर। राजस्थान में मरीज से पहले यहां के हेल्थ सिस्टम को इलाज की जरूरत है। यहां की CHC, PHC सहित उपजिला अस्पतालों में न दवाईयों की पर्याप्त उपलब्धता है और न ही जांचें हो रही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान को लिखे पत्र में सिस्टम की खामियों को लेकर नाराजगी जताई। इस पत्र में मंत्रालय ने हैल्थ सेंटरों (हॉस्पिटलों) पर मरीज को उपलब्ध करवाने वाली जरूरी जांचों की सुविधा पूरी तरह नहीं होने का जिक्र किया है। दरअसल केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य के हर स्तर के हेल्थ सेंटर पर जरूरी जांचों की सुविधा डवलप करने के निर्देश दिए थे। ये जांचें निःशुल्क करने के निर्देश हैं। मंत्रालय ने जिला हॉस्पिटल पर 134 तरह के टेस्ट, उपजिला हॉस्पिटल पर 111 टेस्ट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 97 टेस्ट, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 63 टेस्ट और उप केंद्र पर 14 तरह के टेस्ट की सुविधा की गाइडलाइन बना रखी है। वहीं राजस्थान में जारी की गई रिपोर्ट देखें तो PHC, CHC स्तर पर निर्धारित संख्या की 50 फीसदी से भी कम जांचें हो रही हैं। ये रिपोर्ट प्रदेश के स्टेट नोडल ऑफिसर की तरफ से दी गई है। मंत्रालय ने जांचों की संख्या जल्द बढ़ाने और मरीजों को सुविधा देने के निर्देश दिए हैं। नोडल ऑफिसर की रिपोर्ट के मुताबिक- हर PHC स्तर पर 63 में से औसतन 15 ही जांचें हो रही हैं। वहीं CHC स्तर पर 97 में से 37 तरह की जांचों की सुविधा मिल रही है। इसी तरह जिला हॉस्पिटल स्तर पर 134 में से 96 तरह की जांचें और उप जिला हॉस्पिटल स्तर पर 111 में से औसतन 96 जांचें हो रही हैं। इसके अलावा सब-सेंटर पर सभी 14 की 14 जांचों की सुविधा मरीजों को उपलब्ध करवाई जा रही है।

बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचा था आदिवासी

अब मंत्री डॉ.किरोड़ीलाल मीणा करेंगे मदद; बोले- उनका दर्द मेरा है, एक महीने की सैलरी दूंगा

जयपुर। ओडिशा के क्योंझर में आदिवासी जीतू मुंडा अपनी मरी हुई बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया था। अब कृषि मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने जीतू मुंडा की मदद के लिए एक महीने की सैलरी देने की घोषणा की है। मंत्री किरोडी लाल को वेतन-भत्ते के रूप में 1 लाख 45 हजार रुपए मिलते हैं। इसमें 65 हजार सैलरी और 80 हजार रुपए भत्ते के शामिल है। डॉ. किरोड़ी ने जीतू मुंडा के साथ हुई घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए ओडिशा सीएम मोहनचरण माझी से कार्रवाई की मांग की है। कृषि मंत्री डॉ डकिरोड़ी ने एक्स पर लिखा- जीतू मुंडा की बेबसी और पीड़ा देखकर कलेजा कांप उठा। एक गरीब आदिवासी के साथ कागजी खानापूर्ति के नाम पर इस तरह की प्रताड़ना किसी भी समाज के लिए कलंक है। कृषि मंत्री डॉ डकिरोड़ी मीणा ने लिखा- जीतू मुंडा का दर्द मेरा दर्द है, उनकी पीड़ा मेरी पीड़ा है। मेरा कर्तव्य है कि संकट की इस घड़ी में मैं उनके साथ खड़ा रहूं। मैं अपनी एक महीने की सैलरी उनके परिवार को दूंगा। यह हम सबका दायित्व है कि भविष्य में वे स्वयं को असहाय न समझें। आदिवासी जीतू मुंडा की बहन कलारा मुंडा का मल्लिपसी में बने ओडिशा ग्रामीण बैंक में खाता था। जीतू खाते से 20 हजार रुपए निकालना चाहता था, लेकिन बैंक कर्मचारियों ने खाताधारक को लाने की शर्त रखी। जीतू बैंक में पहले ही बहन की मौत की जानकारी दे चुका था, लेकिन उसे बैंक के नियम कायदों की जानकारी नहीं थी।

हाईकोर्ट ने आसाराम की जमानत 25 मई तक बढ़ाई

मेडिकल ग्राउंड पर दी गई; 6 मई को खत्म हो रही थी अवधि

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। आसाराम की जमानत अवधि 6 मई को खत्म हो रही थी। आसाराम ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र लगाया था। उस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने बुधवार को आसाराम की जमानत अवधि को मेडिकल ग्राउंड पर 25 मई तक बढ़ाने के निर्देश दिए। आसाराम की ओर से पैरवी करते हुए उनके अधिवक्ता यशपाल राजपुरोहित ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट उनकी अपील पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख चुका है। उन्होंने कहा- आसाराम का इलाज अभी जारी है। ऐसे में इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जाए।

राजस्थान हाईकोर्ट (जोधपुर) ने आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को जमानत दी थी।

राजस्थान हाईकोर्ट से पिछले साल मिली थी जमानत

कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था। याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को तब पहली बार जमानत मिली थी। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर कर दिया था। दरअसल, नाबालिग से रेप मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा आसाराम काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत मिली थी।

6 महीने की मिली थी जमानत

राजस्थान हाईकोर्ट में 29 अक्टूबर 2025 को आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने पैरवी की थी। राजस्थान सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल (एएजी) दीपक चौधरी ने दलील रखीं। पीड़िता की ओर से एडवोकेट पीसी सोलंकी ने पैरवी की। सभी पक्षों को सुनने के बाद बेंच ने 6 महीने की जमानत दी थी। यह जमानत 6 मई 2026 को खत्म हो रही थी।

राजस्थान पुलिस में बड़ा फेरबदलः 52 सीआई बने डीएसपी 7 एडीजीपी को सौंपी गई रेंजों की कमान

नरपत सिंह एसीबी जयपुर में बने डिप्टी एसपी

जयपुर। राजस्थान पुलिस में बुधवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। 52 पुलिस निरीक्षकों को पदोन्नत कर उप पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। पदोन्नत अधिकारियों को प्रदेश के विभिन्न जिलों और विशेष इकाइयों में तैनात किया गया है। अधिकारियों को एंटी करप्शन ब्यूरो, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप , एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और सीआईडी जैसी महत्वपूर्ण शाखाओं में नई जिम्मेदारी दी गई है।

नरपत सिंह चारण बने एसीबी जयपुर में डिप्टी एसपी

नरपत सिंह चारण को एसीबी जयपुर में डिप्टी एसपी बनाया गया है। रविन्द्र कुमार और मुकेश शर्मा को राजस्थान पुलिस एकेडमी में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर लगाया गया है, जबकि महावीर सिंह यादव को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप जयपुर में जिम्मेदारी सौंपी गई है। मदन लाल को प्रतापगढ़, आनंद कुमार को श्रीगंगानगर, बुद्धाराम को बाड़मेर, पुरुषोत्तम महरिया को भरतपुर, निरंजन प्रताप सिंह को जालोर और रामनिवास मीणा को अलवर में साइबर क्राइम के उप पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, यह फेरबदल प्रशासनिक आधार पर किया गया है, जिसका उद्देश्य कानून-व्यवस्था को और मजबूत करना और विशेष इकाइयों की कार्यक्षमता बढ़ाना है।

सात एडीजीपी को सौंपी गई रेंजों की कमान, कानून-व्यवस्था की करेंगे सीधी निगरानी

वहीं प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के लिए पुलिस मुख्यालय ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए सात अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्तर के अधिकारियों को विभिन्न रेंजों की जिम्मेदारी सौंपी है। इस व्यवस्था के तहत अब वरिष्ठ अधिकारी सीधे रेंज स्तर पर निगरानी कर पुलिसिंग की गुणवत्ता सुधारेंगे। यह संशोधित आदेश महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने जारी किए है। इसके पीछे उद्देश्य जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति की उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा करना और पुलिस मुख्यालय की प्राथमिकताओं को प्रभावी तरीके से लागू करना है। आदेश के अनुसार एडीजी कार्मिक बीजू जॉर्ज जोसफ के. को भरतपुर रेंज, एडीजी एटीएस, एजीटीएफ दिनेश एम. एन. को जयपुर रेंज, एडीजी कम डायरेक्टर आरपीए संजीव कुमार नर्जारी को बीकानेर रेंज, एडीजी एसओजी विशाल बंसल को कोटा रेंज, एडीजी मुख्यालय हवा सिंह घुमरिया को जोधपुर रेंज और आयुक्तालय, एडीजी विजिलेंस एस. सेंगथिर को उदयपुर रेंज और एडीजी आर्म्ड बटालियन रुपिन्दर सिंघ को अजमेर रेंज का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इन वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने रेंज में कानून-व्यवस्था की स्थिति की नियमित समीक्षा, पुलिस कार्यों की मॉनिटरिंग और अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

जयपुर-मेट्रो के लिए केंद्र ने 13 हजार करोड़ किए मंजूर

शहरी विकास मंत्रालय से 41 किलोमीटर मेट्रो फेज-2 की मंजूरी के आदेश जारी

जयपुर। जयपुर मेट्रो के दूसरे फेज के लिए केंद्र सरकार से 13 हजार करोड रुपए मिलने की मंजूरी के आदेश जारी हुए हैं। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने 13,037.66 करोड के प्रोजेक्ट की औपचारिक मंजूरी के आदेश जारी किए। केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी के 20 दिन बाद ही शहरी विकास मंत्रालय ने प्रोजेक्ट के लिए यह मंजूर दी है। मेट्रो के दूसरे फेज में 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनेगा। उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक कुल 36 स्टेशन बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 8 अप्रैल को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में जयपुर मेट्रो फेज-2 को मंजूरी दी गई थी। जयपुर मेट्रो के दूसरे फेज की मंजूरी मिलने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो की समीक्षा बैठक में इसका काम जल्द शुरू करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद अब प्रोजेक्ट के पहले पैकेज में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक के 12 किलोमीटर के कॉरिडोर के लिए जल्द वर्कऑर्डर जारी करने की तैयारी है।

केंद्र सरकार से मिलेगी 50 प्रतिशत इक्विटी, दूसरे फेज में आधा पैसा केंद्र देगा

जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना में केंद्र सरकार से 50 प्रतिशत इक्विटी मिलेगी। इससे राजस्थान सरकार पर पूरा भार नहीं पड़ेगा और प्रोजेक्ट का आधा फंड केंद्र देगा। मेट्रो का दूसरा फेज वर्ष 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मेट्रो के दूसरे फेज का काम राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड करेगा। RMRCL में केंद्र और राज्य सरकार की 50-50 प्रतिशत की साझेदारी है।

ग्राम रथ के जरिए जनता के द्वार पर होगा हर समस्या का समाधान; गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने अधिकारियों को दिए निर्देश

दीपचंद शर्मा/डीग। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ग्राम रथ अभियान को लेकर राज्य सरकार बेहद गंभीर है। गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बुधवार को पंचायत समिति सभागार डीग में बिजली, पानी, सार्वजनिक निर्माण एवं स्वास्थ्य विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में गृह राज्य मंत्री ने कहा कि विकास रथ केवल योजनाओं के प्रचार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का एक चलता-फिरता प्रकल्प है। जहाँ-जहाँ यह रथ जाएगा, वहाँ की सभी मूलभूत समस्याएं उसी समय सुलझाई जानी चाहिए। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए गृह राज्य मंत्री ने कहा कि आमजन को मूलभूत सुविधाओं की निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण डिलीवरी हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से दो टूक शब्दों में कहा कि हो सकता है कि आपको कम सोना पड़े, हो सकता है कि ड्यूटी टाइम से ज्यादा काम करना पड़े, लेकिन आम जनता के लिए काम करें। गृह राज्य मंत्री ने माननीय मुख्यमंत्री की मंशा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम इस ग्राम रथ को लेकर जनता के दरवाजे पर जा रहे हैं और हमारा संकल्प उनके दरवाजे पर ही समस्याओं का समाधान करना है। लापरवाही पर एक्शन के निर्देश, प्रभावी मॉनिटरिंग और जवाबदेही तय करते हुए गृह राज्य मंत्री के कहा कि जन-समस्याओं के समाधान में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी सख्ती से काम लें, कहीं कोई लापरवाही करता है तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन ले। उन्होंने विशेष रूप से विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी और सार्वजनिक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि वे ग्राम रथ अभियान के तहत आमजन की समस्याओं को चिन्हित कर उनका तुरंत समाधान करें। जिला कलेक्टर का प्लान- 60-65 गांवों के लिए बनेगा 5-दिवसीय टारगेट, बैठक में जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने गृह राज्य मंत्री के निर्देशों की अनुपालना में तुरंत एक कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली, पानी और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आगामी 5-5 दिन का एक सघन प्लान बनाएं और 60-65 गांवों को टारगेट करें। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विकास रथ के पहुँचने के दौरान और उससे पूर्व इन गांवों में मौजूद पेयजल की समस्या, ट्रांसफार्मर की खराबी, ढीले बिजली के तारों की समस्या, फॉल्ट की समस्या और सड़कों के पैच वर्क जैसे सभी कार्यों को एक प्लान बनाकर तुरंत पूर्ण किया जाए। यह तय किया गया है कि विकास रथ के गाँव पहुँचन

देशभर में हीट स्ट्रोक यूनिट बनेंगी

यूपी का बांदा दुनिया में सबसे गर्म, पारा 47.6डिग्री, जैसलमेर-खजुराहो का तापमान 46डिग्री; दिल्ली में बस स्टॉप पर ओआरएस मिलेगा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सोमवार को गर्मी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। बांदा 47.6डिग्री के साथ दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा। यहां 30 अप्रैल 2022 और 25 अप्रैल 2026 को 47.4डिग्री तापमान रहा था। सोमवार को राजस्थान के जैसलमेर में 46.4डिग्री तापमान दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46डिग्री पहुंच गया, जो पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा है। जैसलमेर-खजुराहो के अलावा देश के 4 शहरों में पारा 46डिग्री या इससे ज्यादा रहा। इनमें बाड़मेर 46डिग्री, वर्धा 46.5डिग्री, अमरावती 46.6डिग्री और अकोला 46.3डिग्री शामिल हैं। बढ़ती गर्मी और हीटवेव को देखते हुए केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इधर, दिल्ली में लोगों को गर्मी से निजात देने के लिए बसों में ठंडा पानी रखा जाएगा। बस स्टॉप पर मुफ्त ठंडा पानी और ORS मिलेगा।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

29 अप्रैल: मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र में हीटवेव का अलर्ट। असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी बारिश; उत्तराखंड में ओलावृष्टि, बिजली और तेज हवाओं के साथ गरज-चमक वाले तूफान की आशंका।

30 अप्रैल: ओडिशा के कुछ इलाकों में गर्म और उमस भरा मौसम; छत्तीसगढ़ और झारखंड में आंधी, ओलावृष्टि की आशंका। मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और दिल्ली में बिजली और आंधी की संभावना।

बिहार, राजस्थान, यूपी, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ गरज-चमक संभव।

इस साल अप्रैल में 45 बार पारा

बांदा का 47.6डिग्रीतापमान अप्रैल महीने के इतिहास में दर्ज देश का सबसे ज्यादा तापमान है। इस साल अप्रैल में अब तक करीब 45 बार देश के अलग-अलग वेदर स्टेशनों पर तापमान 45डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ।

यह 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। उस साल 56 बार ऐसा हुआ था। मतलब ये कि इस बार अप्रैल का महीना पिछले 4 साल में सबसे गर्म रहा है। हालांकि, मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा।

इसका असर खत्म होते ही मई के पहले हफ्ते से पारा फिर चढ़ेगा, जिससे लू का प्रकोप बढ़ेगा। मई में राजस्थान और यूपी के कुछ इलाकों में पारा 48-50डिग्री के करीब पहुंच सकता है।

राजस्थान, बिहार, दिल्ली में बारिश, कई जगह ओले गिरे

मौसम विभाग के मुताबिक, 28 अप्रैल को देश के 13 राज्यों में बारिश-तूफान का अनुमान है। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम शामिल हैं। इस दौरान 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण मौसम बदल रहा है। पिछले 24 घंटों में कई जगह आंधी-बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में मंगलवार को 11 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले सोमवार को दोपहर बाद हनुमानगढ़,श्रीगंगानगर, बीकानेर सहित कई शहरों आंधी-बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम विभाग ने मंगलवार को बिहार के 36 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। 14 जिलों के लिए ऑरेंज, जबकि 24 के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। बिहार में 30 अप्रैल तक आंधी-बारिश की स्थिति बन सकती है। इस दौरान 50 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। सोमवार को अररिया, समस्तीपुर, नालंदा के बिहार शरीफ समेत कई इलाकों में सोमवार को तेज आंधी चली। अररिया में कई घरों पर पेड़ गिर गया। घर की दीवार गिरने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पंजाब और चंडीगढ़ में आज मौसम बदल गया है। कई जगह आसमान में बादल छाए हुए हैं, जबकि लुधियाना और जालंधर में बारिश हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ ने लगातार दो दिन आंधी-तूफान और बिजली कड़कने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत

75 घायल; 6पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

काबुल/इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। बीबीसी के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए। उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय का कहना है कि यूनिवर्सिटी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं।

पाकिस्तान के 6 सैनिकों की मौत, एक बंधक

इससे पहले रविवार को अफगानिस्तान के कंधार इलाके में पाकिस्तान के साथ सीमा पर फिर हिंसक झड़प की घटना हुई थी। खामा प्रेस ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि स्पिन बोल्डक इलाके में रात के दौरान दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हुई। इसमें पाकिस्तान के छह सैनिक मारे गए। तालिबानी लड़ाके एक सैनिक को बंधक बनाकर ले गए। पाकिस्तानी सैनिकों के हथियार भी लेकर चले गए। हालांकि, इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि देर रात पाकिस्तान की तरफ से सीमा पार फायरिंग हुई, जिसमें एक स्थानीय बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद तालिबान ने जवाबी हमला किया।

मार्च में दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ

दोनों देशों के बीच पहले से ही तनाव बना हुआ है। पाकिस्तान ने मार्च में राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर भी हमला किया था, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत का दावा किया गया था। दोनों देशों के बीच मार्च में एक सीजफायर हुआ था, जिससे कई हफ्तों से चल रही खूनखराबे वाली झड़पें रुकी थीं, लेकिन अब हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। चीन के अलावा तुर्किए, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब भी इस विवाद को खत्म कराने की कोशिश कर चुके हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में इस साल संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में अज़ाक़के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया।

गुजरात निकाय चुनाव- सभी 15 नगर निगमों में बीजेपी जीती

बीजेपी कार्यकर्ताओं का जश्न; अहमदाबाद में पुलिस-भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प; जडेजा की बहन राजकोट से हारी

अहमदाबाद। गुजरात में मंगलवार को स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी ने सभी 15 नगर निगमों पर जीत दर्ज की है। इनमें मेहसाणा, मोरबी, नाडियाड और वापी ऐसे नगर निगम है, जहां पहली बार चुनाव हुए थे। मेहसाणा, मोरबी और नडियाद में कांग्रेस को अब तक एक भी सीट नहीं मिली है। अहमदाबाद में गिनती के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। वहीं, क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा कांग्रेस की टिकट पर राजकोट से हार गई हैं। सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। वहीं, आप 4 सीटों पर सिमट गई है। आप ने 2021 में 27 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में एक सीट गई है।

चुनाव से जुड़ी 4 बड़ी बातें

चूड़ियां बेचने वाली संशीबेन कांगशिया बहुचराजी नगरपालिका के वार्ड-4 से पार्षद बनीं। भरुच के पालेज तालुका पंचायत सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को सिर्फ 1 वोट से जीत मिली। भेसन सीट पर बीजेपी के पूर्व विधायक भूपतभाई भयानी की हार हुई, आम आदमी पार्टी के दिनेश रूपारेलिया ने 1700 वोटों से हराया। जामनगर नगर निगम वार्ड-12 में आप के असलम खिलजी और कांग्रेस के अल्ताफ खफी जेल में रहते हुए चुनाव जीते, दोनों पर गुजरात अधिनियम के तहत केस दर्ज है।

4 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं ने वोट किया

राज्य के 15 नगर निगम, 84 नगरपालिका, 34 जिला पंचायत और 260 तालुका पंचायत के लिए 26 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। इनमें 4 करोड़ 18 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले थे। 15 नगर निगमों में 55.1% मतदान हुआ। नगरपालिकाओं में 65.53%, जिला पंचायतों में 66.64% और तालुका पंचायतों में 67.26% वोटिंग दर्ज की गई थी।

पिछले चुनाव में बीजेपी ने 8,470 में से 6,236 सीटें जीती थीं

2021 के स्थानीय चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की थी। पार्टी नगरपालिकाओं की 8,470 सीट में से 6,236 सीट जीती थीं। बीजेपी ने तब सभी छह नगर निगमों के अलावा 81 नगरपालिकाओं, 32 जिला पंचायतों और 231 तालुका पंचायतों पर अपना दबदबा बनाए रखा था। अहमदाबाद में ओवैसी की पार्टी **AIMIM** के 7 पार्षद चुने गए थे। आम आदमी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात की राजनीति में तीसरी ताकत के रूप में एंट्री की थी। सूरत नगर निगम में आप ने 120 में से 27 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। आप इस बार 5,000 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 2015 के चुनावों में भाजपा कुल 31 में से भाजपा केवल 8 जिला पंचायतों में ही जीत हासिल कर सकी थी। वहीं कांग्रेस ने 23 जिला पंचायतों में जीत दर्ज की थी।

भारत-रूस मिलकर यूरिया फैक्ट्री लगाएंगे:अभी जरूरत का 71% यूरिया मिडिल-ईस्ट से आता है

अगले 2 साल में उत्पादन शुरू होगा

नई दिल्ली। ईरान जंग के कारण पैदा हुए यूरिया संकट के बीच भारत और रूस ने जॉइंट वेंचर में फर्टिलाइजर प्लांट लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी हैं। यह प्लांट रूस के समारा में लगाया जा रहा है, जो अगले दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसे लेकर हाल ही में एक भारतीय दल ने रूस का दौरा किया है। भारत और रूस के इस साझा प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश होना है। रूस में लगने वाले 20 लाख टन क्षमता के यूरिया प्रोजेक्ट में इंडियन पोटाश लिमिटेड, RCF और NFL शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट के जरिए भारत खाद के आयात पर निर्भरता कम करना चाहता है।

मिडल-ईस्ट पर निर्भरता कम करने की तैयारी

भारत अपनी खेती के लिए नाइट्रोजन आधारित खाद यूरिया पर बहुत ज्यादा निर्भर है। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का करीब 71% यूरिया मिडल-ईस्ट के देशों से आयात करता है।

भारत की 3 सरकारी कंपनियां प्रोजेक्ट में शामिल

भारतीय कंपनियां इंडियन पोटाश लिमिटेड , राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड मिलकर 10 हजार करोड़ का निवेश करेंगी। बाकी के 10 हजार करोड़ रूस की केमिकल कंपनी यूरालकेम ग्रुप लगाएगी।

भारत के लिए यूरिया का स्थायी स्रोत बनेगा प्लांट

इंडियन पोटाश के एमडी पीएस गहलोत ने कहा कि प्रोजेक्ट कंसल्टेंट PDIL ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। यह प्लांट भारत के लिए यूरिया का एक स्थायी स्रोत बनेगा।

भारत में यूरिया का उत्पादन कम, खपत ज्यादा

सालाना खपत: करीब 400 लाख मीट्रिक टन।
घरेलू उत्पादन: करीब 300 लाख मीट्रिक टन।
खाद की कमी: लगभग 100 लाख मीट्रिक टन।
इंपोर्ट पर खर्च: यूरिया की कमी को पूरा करने के लिए भारत पूरी तरह इम्पोर्ट पर निर्भर है। 2025 में भारत ने यूरिया आयात पर करीब 20 हजार करोड़ खर्च किए।

हेलिकॉप्टर से पहली बार एक साथ 2 मिसाइल लॉन्च

नई दिल्ली। डीआरडीओ और नौसेना ने बुधवार को बंगाल की खाड़ी में हेलिकॉप्टर से शॉर्ट रेंज नेवल एंटी-शिप मिसाइल को सफल लॉन्च किया। इस दौरान एक हेलिकॉप्टर से कुछ ही सेकेंड के अंतर पर दो मिसाइलें दागी गईं। दोनों ने समुद्री जहाज के निचले हिस्से पर सटीक निशाना लगाया। इसके जरिए भारत ने साल्वो लॉन्च क्षमता को परखा। यानी एक लॉन्चर से कम समय में ज्यादा मिसाइलें दागना। यह तकनीक दुश्मन के रडार सिस्टम को चकमा दे सकती है। ओडिशा के चांदीपुर की टेस्ट रेंज में लगे रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री के जरिए मिसाइल की पूरी उड़ान और निशाने को ट्रैक किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के बनने से सेना की ताकत काफी बढ़ेगी। मिसाइल ने समुद्री जहाज के उस हिस्से को निशाना बनाया, जहां हमला होने पर ज्यादा नुकसान होता है। मिसाइल में शुरुआत के लिए बूस्टर और आगे उड़ान बनाए रखने के लिए अलग सिस्टम लगा है। साथ ही टारगेट पहचानने, रास्ता तय करने और ऊंचाई बनाए रखने के लिए कई तकनीकें जोड़ी गई हैं।

स्वामी एवं प्रकाशक महावीर प्रसाद पारीक एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 220, पारीकों का मोहल्ला, दीनदयाल पारीक, खिंवज नागौर, राजस्थान-341303 नागौर से प्रकाशित, संपादकः महावीर प्रसाद पारीक 9079775151, E-mail legalambit.ho@gmail.com, पीआरबी एक्ट के तहत खबरो के चयन के लिए जिम्मेदार* (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा)